डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2020-22

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

सर्वाधिक चर्चित अखबार

न दबाव, न भेदभाव

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रायपुर और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-30 अंक- 272 www.rashtriyahindimail.in भोपाल, सोमवार 27 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ल 13 (2082) पृष्ठ-8 मूल्य पांच रुपए

परीक्षा सुधार के लिए अब बनी टास्क फोर्स कमेटी, नीलकेणी को सौंपी कमान

पीएम मोदी ने वीडियो जारी कर कहा- पेपरलीक रोकने आज आएगा कठोर कानून

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपरलीक जैसे मुद्दे के देश में बेहद तूल पकड़ने और इसके चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार तेजी से कदम उठा रही है ताकि युवाओं की नाराजगी को दूर किया जा सके। इस सिलसिले में एक उच्चरस्तरीय कमेटी का भी गठन कर दिया गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीती शाम इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर कहा है कि छात्रों के भविष्य के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है, जिन लोगों ने स्टूडेंट के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया वे जेलों में सड़ रहे हैं। हमने फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिए हैं। अब हम कल(सोमवार) संसद में कठोर सजा के साथ प्रावधान ला रहे हैं लेकिन हमें भविष्य के बारे में भी सोचना है। हमारी परीक्षा सिस्टम विश्वस्त हो, इसमें सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग हो। उन्होंने कहा कि इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में एक हाईपावर टॉस्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया गया है। जो एग्जॉनेशन रिफॉर्म की तरफ फोकस करेगा। उल्लेखनीय है कि इस टास्कफोर्स में नीलकेणी

के अलावा इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ समेत तपन डेका इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व डायरेक्टर, वी. कामकोटी आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर, अनीता करवाल शिक्षा मंत्रालय की पूर्व सचिव और अमृत लाल मीणा लॉजिस्टिक्स एक्सपर्ट भी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 23 जुलाई की रात 12 बजे मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया था और इसमें कहा था कि, पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पी?ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया। हालांकि मोदी के इस वीडियो के दो दिन बाद 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा हुआ क्योंकि नाराज छात्र इसी मांग पर अड़े थे और देश के कई शहरों में भी छात्रों के बीच नाराजगी बढ़ रही थी। प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतरमंतर पर छात्रों-सीजेपी का आंदोलन भी समाप्त हो गया है।

प्रहलाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय

नए केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने जोशी को उपभोक्ता मामले (कंज्यूमर अफेयर्स) मंत्रालय के साथ शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। जोशी ने कहा कि वह इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं। जोशी ने पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले चार-पांच वर्षों में उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने सहित शिक्षा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं।

पैलेट गन किसके आदेश पर.. राहुल का शाह से सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर इसमें दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की। राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की

एक आंख चली गई। दरअसल प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस दो मांगों पर अड़ी है। पहली मांग यह है कि छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर कथित हमला करने वाले लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई हो और दूसरी मांग यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे मामले को लेकर देश के छात्रों और उनके परिवारों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। इधर दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। रविवार को दिनभर जंतरमंतर पर साफ सफाई का दौर चलता रहा।

अब चुनाव नहीं लड़ेंगे सिद्धारमैया उम्र का दिया हवाला

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने ऐलान किया है कि वह वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। 79 वर्षीय नेता ने अपने फैसले के पीछे बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार को प्रमुख कारण बताया है। एक्स पर जारी पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि वह चुनावी राजनीति से दूरी बनाएंगे, लेकिन सार्वजनिक जीवन और राजनीति में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने लिखा कि, आज राजनीति का माहौल भ्रष्ट हो गया है, इसलिए उन्होंने 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है।

मानसून की सक्रिता, मध्यप्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी

भोपाल आरएचएम। मप्र में पिछले कई दिनों से मानसून सक्रिय है। अभी इसका जोर शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में है और मौसम विभाग ने भी अगले 24 घंटे के दौरान यहां भारी बारिश अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे में इन जिलों में 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर सकता है, जबकि भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन-ग्वालियर समेत 50 जिलों में बादल और हल्की बारिश वाला मौसम रहेगा। मौसम केंद्र के मुताबिक चार दिन तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। वर्तमान में प्रदेश से मानसून टर्फ और शियर जोन की एक्टिविटी है। पूर्वी और पश्चिमी हिस्से में दो लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है। इस वजह से बारिश का दौर जारी है। पिछले 5 दिन में बारिश के ओवरऑल आंकड़े में 6 प्रतिशत की कमी आई है। अब तक प्रदेश में औसत 13 इंच (330.4 मिमी) बारिश हुई है, जबकि 14.6 इंच पानी गिर जाना था। दूसरी ओर, पूर्वी हिस्से में 15 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में 8 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

चुनाव आयोग ने दतिया में 6 थाना प्रभारियों को हटाया

भोपाल, आरएचएम। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पुलिस मुख्यालय ने दतिया जिले सहित चंबल-ग्वालियर अंचल में पदस्थ 14 निरीक्षक एवं उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान पदों से हटा दिया है और नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई उपचुनाव के दौरान निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। इन्हें पुलिस मुख्यालय भोपाल अटैच किया गया है, जबकि कुछ अधिकारियों को दतिया जिले के विभिन्न थानों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिन पुलिस अफसरों को हटाया गया है,उनमें निरीक्षक केहरी परिहार थाना प्रभारी अज़ाक, उपनिरीक्षक अमित ओसारे थाना सिविल लाइन, उप निरीक्षक नीरज कुमार थाना बड़ौनी, उपरीक्षक रचना माहौर थाना जिगना, उप निरीक्षक अर्चना पाल थाना गौरापाल, उपनिरीक्षक भूपेन्द्र सिंह जाट थाना प्रभारी धीरपुरा को हटाया गया है।

होर्मुज स्ट्रेट में बड़ा धमाका नेवल माइन से टकराया तेल टैंकर

तेहरान। दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल होर्मुज स्ट्रेट में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, एक तेल टैंकर निर्धारित नौवहन मार्ग से हटने के बाद नेवल माइन (समुद्री बारूदी सुरंग) से टकरा गया, जिससे उसमें भीषण विस्फोट हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग निर्धारित किया हुआ था, लेकिन संबंधित टैंकर उस मार्ग से हट गया और खदान से टकरा गया। घटना के तुरंत बाद ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। यह घटना ऐसे समय हुई है जब होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव फिर तेज हो गया है और हाल के दिनों में इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने वाले टैंकरों और मालवाहक जहाजों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं।

ईरान पर हमलों से अमेरिका ने सेना को रोका

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोकने के आदेश दिये हैं। इस मामले में द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया। इस रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार कम हो सकता है। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था। हालांकि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा।

दिपके को बिहार में पीके का साथ मिला

नई दिल्ली एजेंसी। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके के बिहार आने की खबर पर कहा कि जो भी लोग सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना चाहते हैं और छात्रों के मुद्दों के लिए काम करना चाहते हैं उनका स्वागत है। प्रशांत किशोर ने कहा कि आज देश में कई युवा पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से परेशान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर लोग एकजुट होकर अपनी बात रखते हैं तो सरकार को उनकी बात सुननी पड़ती है। अगर अभिजीत दिपके और उनकी टीम बिहार आकर छात्रों के मुद्दों पर काम करना चाहती है तो उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति लोकतांत्रिक तरीके से लोगों की आवाज उठाना चाहता है वह उनके साथ है। उनका कहना था कि युवाओं के सवालों को मिलकर उठाना जरूरी है।

लोकायुक्त को 295 मामले में अभियोजन की मंजूरी का इंतजार

भोपाल, आरएचएम। सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के मामले में कार्यवाही करने वाले लोकायुक्त संगठन को 295 प्रकरणों में न्यायालय में अभियोजन की कार्यवाही करने के लिये राज्य सरकार से अब तक अनुमति नहीं मिली है। जानकार सूत्रों का कहना है कि 1302 प्रकरणों में अभियोजन की कार्यवाही की अनुमति के लिये राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे गये जिनमें से 958 प्रकरणों में अभियोजन की स्वीकृति मिली और राज्य सरकार ने 14 प्रकरणों को अमान्य कर दिया जबकि दो प्रकरणों में खात्मा पेश किया गया है। 6 प्रकरणों में आरोपी की मृत्यु होने से प्रकरण में खात्मा पेश किया गया है। वर्तमान में 295 प्रकरणों में राज्य सरकार से अभियोजन की स्वीकृति नहीं मिली है। बताया जाता है कि न्यायालय द्वारा 84 प्रकरणों में निर्णय पारित किया गया है जिनमें 55 प्रकरणों में सजा सुनाई गई है एवं 26 प्रकरणों में दोषमुक्ति की गई है। जानकारी के मुताबिक लोकायुक्त संगठन को 2020 से वर्ष 2025 तक कुल 27192 शिकायतें मिली थीं जिसमें से 24717 शिकायतें निराकृत की गईं हैं। इसी प्रकार, 1 जनवरी 2020 से 21 जून 2026 तक लोकायुक्त संगठन की शिकायत एवं जांच शाखा में 1965 एवं तकनीकी शाखा में 190, इस प्रकार कुल 2155 प्रकरणों में जांच पूर्ण की गई है।

सीजेपी के बाद अब ई-20 पार्टी

नई दिल्ली। नीट परीक्षा को लेकर चलाए गए आंदोलन की वजह से चर्चा से गायब हो चुके एथेनाल मिक्स ई 20 पेट्रोल का नाम एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जहां नीट पेपर लीक को लेकर सरकार को घेरा, जिसकी वजह से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा, अब सोशल मीडिया पर एक नई ई 20 पार्टी उतर आई है। इस पार्टी की मांग है कि देश के लोगों को ई 20 के साथ 100 फीसदी शुद्ध पेट्रोल खरीदने का विकल्प मिलना चाहिएस सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पोस्ट के अनुसार, E-20 जनता पार्टी खुद को नागरिकों की ओर से चलाया जा रहा एक उपभोक्ता का अधिकार अभियान बताती है।

पचमढ़ी में फुहारों के बीच 'सेव टाइगर' और 'प्लास्टिक फ्री' का संदेश

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में रविवार को आयोजित 8वीं पचमढ़ी मानसून मैराथन 2026 में देश-विदेश के करीब 1600 धावकों ने हिस्सा लिया। मानसून की हल्की फुहारों, धुंध से ढकी वादियों और हरियाली से सराबोर प्राकृतिक वातावरण के बीच 4 वर्ष से 84 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ दौड़ लगाते हुए 'सेव टाइगर' और 'प्लास्टिक फ्री' का संदेश दिया। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस मैराथन को सांसद दर्शन सिंह चौधरी और मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त संचालक डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतियोगिता में अमेरिका, स्वीडन, मंगोलिया और पेरू सहित कई देशों के धावकों ने भी भागीदारी की, जिससे आयोजन को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली।

बड़े-बड़े लोगों की बातें

डॉ. नरोत्तम मिश्रा का बंगला लाल महल बना कोप भवन

भाजपा के सभी बड़े नेता सार्वजनिक रूप से यह कहने में कोई चूक नहीं कर रहे हैं कि, पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के दतिया विधानसभा उपचुनाव में टिकट कट जाने के बाद उनकी नाराजगी समाप्त हो गई है। उधर दूसरी ओर भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह में नरोत्तम मिश्रा की टिकट कटने पर गुस्सा आज भी बरकरार है, लेकिन जमींदोज है। इधर कांग्रेस में पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती के समर्थक भी भीतरघात के चक्कर में हैं। सूत्रों के अनुसार डॉ. मिश्रा का नया आशियाना लाल महल आज कल कोप भवन में तब्दील हो गया है। नरोत्तम मिश्रा प्रचार में अपनी मर्जी से कार्यक्रम बनाते हैं, जब मन होता है तब जाते हैं। वरना शिवराज सिंह चौहान आएं या ज्योतिरादित्य सिंधिया ये कोप भवन से बाहर बड़ी मुश्किल से निकलते हैं और इसी के चलते दतिया से दिल्ली तक बड़े-बड़े नेताओं में बेचैनी भी है। समझा जाता है कि, मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल दोनों ने मिलकर नरोत्तम मिश्रा को पटा तो लिया है लेकिन पटे कितना यह दतिया विस उपचुनाव का परिणाम बताएंगा, परन्तु लाल महल दतिया में कोप भवन जैसा प्रतिबिंबित हो रहा है, भाजपा को समझना पड़ेगा, ऐसा क्यों ...? **खबरची**

खंडेलवाल सहित सभी सितारे जमीन पर, कांग्रेस में सिंघार दिखे सक्रिय

दतिया में चुनाव टफ, जीतने का दम दोनों तरफ

शिवराज ने जीतने का जताया अरमान, प्रचार में कुशवाहा आगे, आज सीएम का रोड शो

ग्राउण्ड जीरो रिपोर्ट

विजय कुमार दास मो. 9617565371

मध्यप्रदेश में एकमात्र विधानसभा का उपचुनाव और उसका प्रचार अभियान चरम पर पहुंच गया है। भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की रणनीति और पर्दे के पीछे विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर की चाणक्य नीति से शह और मात का खेल अब अंतिम पड़ाव पर है। यूं कहा जाए कि, आज शाम 5 बजे के बाद चुनाव प्रचार थम जाएगा लेकिन इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दतिया में बड़ा रोड शो करेंगे जिससे भाजपा की जीत पर वे अपनी ढाई के कार्यकाल की उपलब्धियों पर मोहर भी लगा सकते हैं। कल राष्ट्रीय हिन्दी मेल की टीम के साथ आधा दर्जन नेताओं ने वन-टू-वन बातचीत की जिससे पता लगता है कि, दतिया में चुनाव की डगर आसान नहीं है और जीतने का दम दोनों तरफ बराबर है। राष्ट्रीय हिन्दी मेल के इस प्रतिनिधि ने सबसे पहले एक संक्षिप्त मुलाकात में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने ताल ठोंककर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नीतियों का व्यापक असर होने की वजह से हम दतिया चुनाव रिकार्ड मतों से जीतेंगे। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दतिया एयरपोर्ट पर हुई मुलाकात में स्पष्ट रूप से कहा कि वे अरमान लेकर आए हैं भाजपा की ही चुनाव में जीत होगी। ठीक इसी तरह एक लंबी मुलाकात में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ठाकुर पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज-रजवाड़े कभी काम नहीं करते और इसी का परिणाम है भाजपा हर बार चुनाव जीतती है और इस बार भी जीतेगी। खंडेलवाल ने एक साक्षात्कार में कहा कि, दतिया में उपचुनाव सामाजिक समरसता, जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सुस्पष्ट नीतियों की वजह से भाजपा ही जीतेगी । उन्होंने कहा- विकास ही हमारा प्रमुख मुद्दा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि, भारत के युवाओं ने कॉकरोच पार्टी के माध्यम से जो आक्रोश दिखाया है उसका असर दतिया उपचुनाव पर भी है। सिंघार ने कहा कि, युवा गुस्से में हैं, दतिया कांग्रेस के पक्ष में ही परिणाम देगा। भाजपा के चुनाव प्रभारी सांसद भरतसिंह कुशवाह ने कहा कि, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के टिकट कट जाने से भाजपा के कार्यकर्ताओं में अब कोई नाराजगी नहीं है। सभी समाज के लोग दिन रात भाजपा का समर्थन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दतिया उपचुनाव में कुशवाह समाज के मतदाताओं का योगदान सबसे ज्यादा होने की वजह से संभवत: पार्टी ने उन्हें चुनाव प्रचार प्रभारी बनाया है, इसका लाभ भाजपा को जरूर मिलेगा। कुशवाह कहते हैं- प्रधानमंत्री की नीतियों की वजह से हमारी जीत पक्की है। बता दें कि कुशवाह का चयन प्रभारी के रूप में विस अध्यक्ष तोमर की वजह से हुआ था जिसका फायदा यहां पर भाजपा को मिल सकता है। सामाजिक गतिरोधों को समाप्त करने में भाजपा इस चुनाव के चलते जितनी रणनीतिक पहली बार हुई है इससे पहले इतनी रणनीतिक पहले कभी नहीं थी। इसी के चलते वैश्य समाज के प्रभावशाली समूह को प्रभावित करने के लिए सेवड़ा के भाजपा विधायक प्रदीप अग्रवाल बेहद सक्रिय दिखे। उन्होंने राष्ट्रीय हिन्दी मेल से कहा कि, उन्हें उम्मीद है वैश्य समाज का पूरा समर्थन भाजपा को ही मिलेगा। इस ग्राउण्ड जीरो रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि, दतिया विस का उपचुनाव चरमोत्कर्ष पर पहुंच गया है। बकौल भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल एवं सभी सितारे मैदान पर उतर चुके हैं। आज मुख्यमंत्री का रोड शो चुनाव प्रचार समाप्त होने के पहले भाजपा की जीत के लिए मील का पत्थर साबित होगा, ऐसा माना जाए तो गलत नहीं होगा, लेकिन बकौल नेता प्रतिपक्ष सिंघार कांग्रेस को भरोसा है जनता साथ देगी। परन्तु दतिया उपचुनाव टफ है, भाजपा के पास सितारों की कमी नहीं है और कांग्रेस के पास साहस की कमी नहीं है, ऐसा माना जाए तो चौंकिएगा मत।

लेखक इस पत्र समूह के प्रधान संपादक हैं।

देवरी पत्रकार कल्याण परिषद ने स्व.भूपेंद्र शर्मा को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

देवरीकलां। देवरी पत्रकार कल्याण परिषद द्वारा दिवंगत पत्रकार स्व.भूपेंद्र शर्मा (विलहरा राजा) की निधन होने पर साहित्य भवन,नगरपालिका चौराहा देवरी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में क्षेत्र के पत्रकारों ने उपस्थित होकर स्व.शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।सभा को संबोधित करते हुए भूपेंद्र राजपूत ने कहा कि स्व.भूपेंद्र शर्मा एक निर्भीक,कर्मठ और जनहित के प्रति समर्पित पत्रकार थे।

उन्होंने अपने लेखन और निष्पक्ष पत्रकारिता के माध्यम से समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया तथा हमेशा आमजन की आवाज़ को बुलंद किया। उनका असमय निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

इस अवसर पर संजय गुप्ता ने कहा कि पत्रकारों पर हमले कोई पहला मामला नहीं हैं। लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाएँ चिंता का विषय हैं। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार को पत्रकारों की सुरक्षा के लिए प्रभावी एवं कठोर कदम उठाने चाहिए,ताकि पत्रकार निर्भय होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

प्रवीण पाठक ने कहा कि पत्रकारों पर हमला कोई पहला मामला नहीं है।लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाएँ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। सरकार को इस ओर गंभीरता से ध्यान देते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए,ताकि पत्रकार निर्भय होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। पत्रकार की आवाज़ दबाना लोकतंत्र की आवाज़ दबाने के समान है। श्रद्धांजलि सभा के अंत में पत्रकार कल्याण परिषद के अध्यक्ष नितिन सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थितजनों के साथ दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों की गैरमौजूदगी बनी चर्चा का विषय

सागर । भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा सागर ग्रामीण के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष आयुष्य पांडेय के प्रथम नगर आगमन पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम अपेक्षित उत्साह नहीं जुटा सका। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की गैर मौजूदगी पूरे आयोजन के दौरान चर्चा का विषय बनी रही, यहाँ तक की सूत्रों के मुताबिक वरिष्ठ नेताओं को नये जिलाध्यक्ष ने तवज्जो देना उचित नही समझा, । स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठता रहा कि जिस कार्यक्रम को युवा मोर्चा के नए नेतृत्व के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा था, उसमें भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आखिर क्यों नजर नहीं आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार्यक्रम स्थल पर अपेक्षा के अनुरूप भीड़ नहीं जुट सकी। भाजपा के स्थानीय विधायक, मंडल अध्यक्ष , नगर परिषद अध्यक्ष सहित कई प्रमुख पदाधिकारी कार्यक्रम से दूर रहे। इससे राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। कई लोगों का कहना था कि यदि संगठन के भीतर पूरी एकजुटता होती तो कार्यक्रम की तस्वीर कुछ और होती।

दतिया में कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने के लिए शहर कांग्रेस अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं ने डाला डेरा

सागर /दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह को जिताने के लिए सागर शहर से बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने दतिया में डेरा डाल रखा है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव एवं उपचुनाव में सेक्टर प्रभारी अमित राम जी दुबे द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में सघन जनसंपर्क किया जा रहा है। गली-गली जाकर, नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका पूरी निष्ठा से पालन किया जा रहा है। जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि दतिया में मतदाताओं में भारी उत्साह है और मतदाता कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की बात कर रहे हैं, जबकि भाजपा प्रत्याशी आपसी फूट के कारण असहज महसूस कर रहे हैं। सेक्टर प्रभारी अमित राम जी दुबे ने कहा कि इस उपचुनाव में भाजपा की करारी हार होगी।

छात्र आंदोलन की सफलता और शिक्षा नीति में क्रांतिकारी परिवर्तन के संदेश के साथ मेधावी छात्रा से कराया शहर सेवादल ने ध्वजारोहण

सागर। हर माह के अंतिम रविवार को होने वाले शहर कांग्रेस सेवादल का मासिक ध्वजवंदन कार्यक्रम इस जुलाई माह के अंतिम रविवार को कार्यक्रम राजीव गांधी भवन, जिला शहर कांग्रेस कार्यालय के समक्ष हायर सेकेंडरी की मेधावी छात्रा सृष्टि सोनी के करकमलो से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जिला शहर सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे और कार्यक्रम का संचालन द्वारका चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से प्रदेश सेवादल महासचिव विजय साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि,मेधावी छात्रा सृष्टि सोनी ने कहा कि शिक्षा भारतीयों का पहला अधिकार है जो हम सबको हमारे संविधान ने दिया है चाहे वो पूंजीपति हो या मजदूर हो सबको यह अधिकार प्राप्त है।जतंर मतंर पर हुये छात्र आंदोलन की सफलता यह दिखाती है कि मेरी पीढी शिक्षा के प्रति बहुत गंभीर है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भी में धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होने छात्र आंदोलन को समर्थन देकर आंदोलन को नई ऊर्जा से भर दिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुरेंद्र चौधरी ने जेन-जी को धन्यवाद देते हुये कहा कि इस आंदोलन को राहुल गांधी ने अपने लहू से सींचा है, उन्होने आंदोलन मे कांग्रेस सेवादल के सेवादारों द्वारा की हुई सहायता और सेवा को भी नमन करते हुये आंदोलन की सफलता के लिये सभी को बधाई दी।

उत्कृष्ट छात्रावासों में कोचिंग शिक्षकों के आवेदन आमंत्रित

सागर। अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जिला एवं विकासखंड स्तर पर संचालित उत्कृष्ट बालक एवं कन्या छात्रावासों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए कोचिंग शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विज्ञान (भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान), कम्प्यूटर एवं वाणिज्य संकाय तथा कक्षा 9वीं एवं 10वीं के गणित, अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर विषयों की कोचिंग संचालित की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी संबंधित विषय में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर पर न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होने की पात्रता रखते हों। पात्र अभ्यर्थी संबंधित छात्रावास अधीक्षक के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। चयनित विषय विशेषज्ञों को शासन के नियमानुसार मानदेय प्रदान किया जाएगा तथा उन्हें प्रतिमाह 20 कालखंड का अध्यापन कार्य करना होगा।

पटकुई स्थित कुबेर वाटिका में श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी हुए शामिल।

सागर। नरयावली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटकुई स्थित कुबेर वाटिका में राधे-कृष्ण सत्संग परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह एवं सतचंडी महायज्ञ के समापन अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी शामिल हुए।इस अवसर पर उन्होंने यज्ञ वेदी की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की।इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री चौधरी ने पूज्य महा मंडलेश्वर श्री 1008 आत्मानंद सरस्वती जी महाराज एवं परम पूज्य श्री मोनी महाराज जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं, जो समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।इस अवसर पर प्रकाश गुरु, रवि उमाहिया,रामकुमार पचौरी,मुकुल पुरोहित, पुरुषोत्तम शिल्पी,बंटू मुखारया,प्रशांत समैया, सौरभ चौकसे,देवी यादव,इंजी.सत्यम सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जेल के पास पत्रकार कालोनी में निर्माणाधीन मकान के पास से एक ट्राली रेत चोरी

खुरई। *खुरई में इन दिनों चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि कोई भी सामान चोरी करने से नहीं चूक रहे, अभी तक तो घरों से नगदी, जेवर, वाहन आदि चोरी होते थे लेकिन अब, सभी प्रकार की चोरियाँ होने लगी, खाम्बों के तार, केबिल सहित घरों के बाहर रखी अन्य सामग्री भी चोरी हो रही है,शनिवार रविवार की दरमियानी रात जेल के पास स्थित पत्रकार कालोनी में सरपंच क्रोध विश्वकर्मा के निर्माणाधीन मकान के पास से एक ट्राली से अधिक रेत चोरी चली गई, क्रोध विश्वकर्मा ने बताया कि उसने मकान का काम चालू कराया है, मकान के बाहर 2 ट्राली रेत पड़ी थी, सुबह आकर देखा तो आधी से ज्यादा गायब है, वहां से कोई ट्रेक्टर ट्राली में भरकर ले गया हैं, वहां पर ट्राली के पाहियों के निशान है, थाने में की शिकायत।*

अनाथ हुई पिपरिया जैतपुर पंचायत, विकास कार्य ठप, ग्रामीण परेशान

हत्या के मामले में सरपंच जेल में, सचिव निलंबित

पिपरिया जैतपुर पंचायत के विकास कार्य एक साल से ठप

देवरीकलां। जनपद पंचायत देवरी अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया जैतपुर में प्रशासनिक व्यवस्था चरमराने से पिछले लगभग एक वर्ष से विकास कार्य प्रभावित हैं। हत्या के मामले में सरपंच लेखन सिंह राजपूत के जेल में होने और पूर्व सचिव के निलंबन के बाद पंचायत के कई महत्वपूर्ण कार्य ठप पड़े हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन कार्यों में सरपंच के हस्ताक्षर आवश्यक हैं, वे नहीं हो पा रहे हैं। नाली, सड़क, स्वच्छता, कीचड़ की समस्या सहित शासकीय योजनाओं से जुड़े कई भुगतान लंबित हैं, जिससे आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, सरपंच के जेल में होने के बावजूद अब तक उनके निलंबन अथवा स्थानापन्न सरपंच की नियुक्ति की कार्रवाई नहीं की गई है। इस संबंध में ग्रामीण कई बार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत देवरी को ज्ञापन सौंपकर पंचायत का प्रभार किसी सक्रिय पंच को देने की मांग कर चुके हैं। उनका कहना है कि वर्तमान उपसरपंच पिछले चार वर्षों से गांव में नहीं रहते, इसलिए पंचायत का संचालन प्रभावी ढंग से नहीं हो पा रहा है। जानकारी के अनुसार, 19 जून 2025 को नितिन सिंह राजपूत हत्याकांड में सरपंच लेखन सिंह राजपूत सहित चार लोगों के विरुद्ध देवरी थाने में हत्या का प्रकरण दर्ज हुआ था। इसके बाद सरपंच फरार रहे और 30 दिसंबर 2025 को उन्होंने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। तब से वे न्यायिक अभिरक्षा में जेल में हैं।

ग्राम रोजगार सहायक एवं सचिव का प्रभार संभाल रहे नीतीश जैन ने बताया कि पंचायत में अनेक समस्याएं लंबित हैं। उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर कई बार लिखित शिकायत भी भेजी गई है तथा हाल ही में सरपंच को अंतिम नोटिस जारी होने की जानकारी मिली है। उनके अनुसार, वर्तमान में वे केवल केवाईसी, पेंशन, राशन और अन्य सामान्य प्रशासनिक कार्य ही कर पा रहे हैं, जबकि भुगतान और विकास कार्य सरपंच के अभाव में रुके हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी जिम्मेदार पंच को सरपंच का प्रभार दिया जाता है तो पंचायत के कार्यों में गति आ सकती है। इस संबंध में एसडीएम एवं जनपद प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत देवरी मुनव्वर खान ने बताया कि नियमानुसार कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है और संबंधित पक्ष को नोटिस जारी किया गया है।

संकल्प फाउंडेशन ने काकागंज वार्ड में लगाए 30 फलदार पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जनभागीदारी से साकार हो रहा संकल्प फाउंडेशन के हरित सागर शहर का संकल्प

सागर। शहर को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से संकल्प फाउंडेशन द्वारा रविवार को काकागंज स्थित पानी की टंकी परिसर, ट्रैफिक पार्क के समीप 30 फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट श्री रिशांक तिवारी, जो वर्तमान में दतिया विधानसभा उपचुनाव के संगठनात्मक कार्यक्रमों में प्रवास पर हैं, वीडियो कॉल के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

वीडियो संदेश के माध्यम से श्री रिशांक तिवारी ने कहा कि संकल्प फाउंडेशन का यह अभियान समाज में जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि, जब किसी पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी पूरा मोहल्ला, वार्ड या समाज मिलकर निभाता है, तभी ऐसे अभियान स्थायी और सार्थक परिणाम देते हैं। श्री तिवारी ने बताया कि हमारा प्रयास है कि शहर का प्रत्येक नागरिक इस मुहिम का सहभागी बने और सागर को अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाने में अपनी भूमिका निभाए।

इस अवसर पर संकल्प फाउंडेशन के राजीव नगर वार्ड अध्यक्ष श्री नीरज करोसिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले, तो शहर को हराभरा बनाने का लक्ष्य शीघ्र ही साकार किया जा सकता है।

कार्यक्रम में श्री मोनू लड़िया ने कहा कि आदरणीय रिशांक भैया के मार्गदर्शन में संकल्प फाउंडेशन लगातार जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की अलख जगा रहा है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का प्रत्येक कार्यकर्ता इस अभियान को केवल पौधारोपण तक सीमित न रखते हुए लगाए गए प्रत्येक पौधे के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी पूरी निष्ठा से निभा रहा है।

इस दौरान श्री कार्तिक जाटव ने कहा कि यह अभियान युवाओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। बड़ी संख्या में युवा स्वेच्छा से इस मुहिम का हिस्सा बन रहे हैं और शहर को अधिक हराभरा बनाने में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

पार्थिव(मिट्टी) के शिवलिंगों का निर्माण से व्यक्ति की दिशा और दशा दोनों ही बदल जाती है महंत केशव गिरी महाराज

सागर। उप नगरीय स्थित दीनदयाल नगर मकरोनिया में पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के द्वितीय दिवस पर अनंत श्री विभूषित ब्रह्मलीन गृहस्थ संत पंडित श्री देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी महाराज के कृपा पात्र गृहस्थ संत डॉ अनिल शास्त्री जी बड़े भैया जी के शिष्य श्री राम दरबार मंदिर के महंत गृहस्थ संत केशव गिरी महाराज जी के पावन सानिध्य में अनुष्ठान प्रात : 08 बजे से पार्थिव शिवलिंग निर्माण प्रारंभ हुआ, दोपहर 12 बजे से महारुद्राभिषेक संपन्न हुआ दोपहर 1-00 बजे गाजे बाजे के साथ में शिवलिंग विसर्जन किए गए। महाराज जी ने बताया करीब आधा ट्राली मिट्टी से शिवलिंग बने, 198 कोपर पार्थिव शिवलिंग निर्माण हुए, 21 लीटर दूध, सात महा नदियों के जल से महाअभिषेक 11 हजार बिल्व पत्र समर्पित किए, आज 1100 नारियलों व सवाकुंटल हवन सामग्री से सायं 06 बजे से हवन होगा। कार्यक्रम के दौरान आर्शिवचन देते हुए महंत जी ने दद्दा जी महाराज को स्मरण करते हुए कहा कि विश्व राष्ट्र कल्याण का मिशन चलाने वाले और पूरे विश्व में सबसे अधिक पार्थिव शिवलिंग निर्माण कराने वाले संत मात्र दद्दा जी थे। दद्दा जी ने पूरे बुंदेलखंड वा पूरे भारत वर्ष में हर हर महादेव के साथ घर-घर महादेव पहुंचा दिये। इस अनादि काल की परंपरा को जीवंत कर दिया।हम सभी शिष्य परिवार को शिवजी से जोड़ दिया जिससे पूरे मानव समाज का कल्याण होता है महाराज जी ने कहा भगवान शंकर की पार्थिव(मिट्टी) के शिवलिंगों का निर्माण से व्यक्ति की दिशा और दशा दोनों ही बदल जाती है चाहे उसे किसी भी ग्रह की दशा चल रही हो अशुभ ग्रहों की दशा चल रही हो तो शुभ फल देने लगता है।

कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर शैलेश द्विवेदी को सौंपा नगर दंडाधिकारी का दायित्व

सागर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रतिभा पाल ने प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डिप्टी कलेक्टर शैलेश द्विवेदी की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार श्री द्विवेदी को नगर दंडाधिकारी, सागर के पद पर पदस्थ किया गया है। वे स्थानांतरण उपरांत दिनांक 14 जुलाई 2026 को उपस्थित हुए हैं। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

गंदगी मिलने पर होगी कठोर कार्रवाई: नगर पालिका परिषद मकरोनिया

मकरोनिया। नगर पालिका परिषद मकरोनिया द्वारा नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के लिए समस्त होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल, शॉपिंग मॉल एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने संस्थान के आसपास स्वच्छता बनाए रखें। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रतिष्ठान के बाहर कचरा, गंदगी या अस्वच्छ वातावरण पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध स्वच्छता अधिनियम 2026 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका प्रशासन ने कहा है कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा हैं। निरीक्षण के दौरान गंदगी पाए जाने पर जुर्माना एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी संस्थान संचालकों से अपील की है कि वे अपने परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की नियमित सफाई सुनिश्चित करें तथा स्वच्छ मकरोनिया के निर्माण में सहयोग प्रदान करें।

सड़क दुर्घटनाएं ईश्वर की मर्जी नहीं, मानवीय चूक: जस्टिस अभय

सागर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जनहानि को की समीक्षा हेतु जिला कलेक्टर कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने की।बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री, सिटी मजिस्ट्रेट गगन बिसेन, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज तेनगुरिया, लोक निर्माण विभाग एसडीओ साहित्य तिवारी सहित एनएचएआई, एमपीआरडीसी सहित अन्य रोड एजेंसी के जिलाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने स्पष्ट किया कि समिति का मुख्य ध्येय सड़क हादसों को नियंत्रित कर मौतों का आंकड़ा शून्य पर लाना है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं ईश्वर की मर्जी नहीं बल्कि मानवीय एवं तकनीकी त्रुटियों का परिणाम हैं, जिन्हें सही प्रबंधन से रोका जा सकता है। उन्होंने सागर को पूरे प्रदेश एवं देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया।न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे द्वारा समीक्षा में पाया गया कि जिले के चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट्स) पर किए गए सुधारात्मक कार्यों के सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए हैं, जिससे अनेक क्षेत्रों में जनहानि एवं दुर्घटना दरों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। न्यायमूर्ति सप्रे ने शेष चिन्हित स्थलों पर अवसंरचनात्मक सुधार कार्यों को निरंतर जारी रखने तथा उनके प्रभाव का नियमित मूल्यांकन करने के निर्देश दिए।चालानी कार्रवाई में वृद्धि के बावजूद आमजन द्वारा दोपहिया वाहनों पर हेलमेट एवं चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट के उपयोग की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई। इस संबंध में निर्देशित किया गया कि केवल वैधानिक दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है; अत: सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग को दैनिक व्यवहार में समाविष्ट करने हेतु अंतर-विभागीय समन्वय के साथ विशेष अभियान संचालित किए जाएं। सड़क निर्माण एवं रखरखाव से संबंधित सभी कार्यकारी एजेंसियों को सड़क सुरक्षा मानकों के सख्त अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया है।समस्त सड़कों के गड्डों का सर्वे एवं उनकी मरम्मत/भराव का कार्य तत्काल प्रभाव से प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार भविष्य में स्वीकृत/निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं में गुणवत्ता नियंत्रण तथा ऐसी त्रुटिहीन डिजाइन संरचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

'रन फॉर लाइफ' मैराथन में गूंजा नशामुक्ति का संदेश

टीटी नगर स्टेडियम से सैकड़ों युवाओं ने लगाई दौड़

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी महाअभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत रविवार सुबह राजधानी में रन फॉर लाइफ मैराथन का आयोजन किया गया। टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुई मैराथन में सैकड़ों युवा, खिलाड़ी, पुलिस अधिकारी और आम नागरिक शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य युवाओं और समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

पुलिस और सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त पहल से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने तिरंगा लेकर दौड़ लगाई। मैराथन के दौरान 2 किलोमीटर वॉकथॉन, 5 किलोमीटर हाफ मैराथन और 10 किलोमीटर मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर एडीजी (नारकोटिक्स) डी. श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि नशे की लत व्यक्ति ही नहीं, पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। उन्होंने लोगों से से नो टू ड्रग्स का संकल्प लेने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (मुख्यालय एवं अपराध) डॉ. मोनिका शुक्ला ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। नई और पुरानी दोनों पीढ़ियों को मिलकर इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने का संकल्प लेना होगा। अधिकारियों ने नागरिकों से नशामुक्त मध्यप्रदेश बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

30 हजार रुपए स्टाइपेंड की मांग पर एमबीबीएस इंटर्न्स की बाइक रैली

भोपाल। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर 23 जुलाई से आंदोलनरत मध्यप्रदेश के शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस इंटर्न्स एवं भावी इंटर्न्स ने रविवार को राजधानी में जागरूकता बाइक रैली निकाली। हमीदिया अस्पताल से शुरू हुई रैली भदभदा चौराहा पहुंची और वापस अस्पताल परिसर में समाप्त हुई। आंदोलन का उद्देश्य सरकार और आमजन तक इंटर्न्स की मांग पहुंचाना था।

इंटर्न्स वर्तमान में मिलने वाले रु 14,337 प्रतिमाह स्टाइपेंड को बढ़ाकर रु 30,000 प्रतिमाह करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि मध्यप्रदेश में देश के कई राज्यों की तुलना में सबसे कम स्टाइपेंड दिया जाता है, जबकि कार्य और जिम्मेदारियां समान हैं। आंदोलनकारी इंटर्न्स ने बताया कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री, अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा शिक्षा), अपर मुख्य सचिव (वित्त), आयुक्त और संचालक चिकित्सा शिक्षा सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय या लिखित आश्वासन नहीं मिला है। 23 जुलाई से जारी कार्य बहिष्कार के तहत इंटर्न्स ओपीडी, वार्ड और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की नियमित सेवाओं से दूर हैं। हालांकि गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए इमरजेंसी सेवाएं पूर्ववत संचालित की जा रही हैं। इंटर्न्स ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उनका कहना है कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा, लेकिन मांग पूरी होने तक पीछे नहीं हटेंगे।

तीन साल में एमपी को 10 वंदे भारत, 14 अमृत भारत ट्रेनें

राज्यसभा में रेल मंत्रालय की जानकारी

भोपाल। मध्य प्रदेश को पिछले तीन वर्षों में प्रीमियम यात्रा के लिए 10 वंदे भारत एक्सप्रेस और आम यात्रियों की सुविधा के लिए 14 अमृत भारत ट्रेनों की सौगात मिली है। यह जानकारी रेल मंत्रालय ने राज्यसभा में कांग्रेस सांसद अशोक सिंह के प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। रेल मंत्रालय के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस आधुनिक सुविधाओं और तेज गति वाली पूर्णतः वातानुकूलित ट्रेन है। इसमें ऑटोमैटिक स्लाइडिंग दरवाजे, सीसीटीवी, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, %कवच% सुरक्षा तकनीक, आरामदायक सीटें और ऑनबोर्ड वाई-फाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वहीं, अमृत भारत एक्सप्रेस को आम यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें नॉन-एसी स्लीपर और अनारक्षित कोच, पुश-पुल तकनीक, प्रत्येक सीट पर मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आधुनिक एलईडी लाइटें, बेहतर बायो-टॉयलेट और अन्य यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यह ट्रेन कम किराये में लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए उपयोगी मानी जा रही है।

निशातपुरा रेलवे स्टेशन, 28 जुलाई से शुरू होगी यात्री सेवा

मालवा और सोमनाथ एक्सप्रेस का होगा ठहराव

भोपाल। करीब तीन साल से बंद पड़ा निशातपुरा रेलवे स्टेशन आखिरकार 28 जुलाई से यात्रियों के लिए खुल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 4~30 बजे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। जून 2023 में बनकर तैयार होने के बावजूद परिचालन मंजूरी और अन्य तकनीकी कारणों से यहां यात्री सेवाएं शुरू नहीं हो सकी थीं। इसी वजह से इसे स्थानीय लोग भूतिया रेलवे स्टेशन कहने लगे थे। भोपाल रेल मंडल के अनुसार उद्घाटन के साथ ही स्टेशन पर यात्री सुविधाएं शुरू हो जाएंगी। प्रारंभिक चरण में मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ एक्सप्रेस का ठहराव रहेगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन शुरू होने से निशातपुरा और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिलेगी, साथ ही भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का दबाव भी कम होगा। रेलवे ने स्टेशन पर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

बड़े भूखंडों को छोटे प्लॉट में बांटे बीडीए : संभागायुक्त

एआईसीटी योजना को बनाया जाएगा एजुकेशन नॉलेज हब

भोपाल। संभागायुक्त एवं भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के अध्यक्ष कर्मवीर शर्मा ने विकास कार्यों, संपत्ति विक्रय और लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बीडीए कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि 15 अगस्त से पहले विशेष आवासीय मेला आयोजित कर सभी विक्रय योग्य संपत्तियों की अधिकतम बिक्री सुनिश्चित की जाए। साथ ही बड़े आकार के भूखंडों को छोटे-छोटे प्लॉट में विभाजित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि मध्यम और सामान्य आय वर्ग के खरीदारों को भी संपत्ति खरीदने का अवसर मिल सके। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्याम वीर सिंह शाहिद सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। संभागायुक्त ने न्यायालयों में लंबित मामलों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए, ताकि विकास परियोजनाओं में आ रही बाधाएं दूर हो सकें। समीक्षा के दौरान एआईसीटी योजना को एजुकेशन नॉलेज हब के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। इसके लिए विशेषज्ञों, शिक्षण संस्थानों और निवेशकों की भागीदारी से सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग के साथ समन्वय कर निजी और विदेशी विश्वविद्यालयों की स्थापना तथा उनके बीच शैक्षणिक सहयोग की संभावनाओं का भी अध्ययन किया जाएगा। इसके अलावा आईसीएसई और सीबीएसई स्कूलों के लिए उपयुक्त भूमि आरक्षित करने और शहर व बाहरी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्कूलों की स्थापना की रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए गए।

देवशयनी एकादशी पर सुंदरकांड पाठ, 111 दीपों से महाआरती

साहू समाज के धार्मिक आयोजन में उमड़ी श्रद्धा

भोपाल। देवशयनी एकादशी के अवसर पर नवयुवक मंडल साहू समाज, भोपाल द्वारा श्री लक्ष्मीनारायण साहू समाज मंदिर, मां कर्मा देवी रोड, घोड़ा निक्कास में श्रीरामचरितमानस सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ कर भगवान श्रीराम और संकटमोचन हनुमानजी की आराधना की। सुंदरकांड पाठ के पश्चात भजन गायक रूपेश राज और हरीश कुशवाहा ने भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं, जिन पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रहे। कार्यक्रम के समापन पर भगवान श्रीराम एवं श्रीहनुमानजी की 111 दीपों से भव्य महाआरती की गई तथा प्रसादी वितरित की गई।

आयोजकों ने बताया कि नवयुवक मंडल का यह पहला सामूहिक धार्मिक आयोजन था। इसका उद्देश्य समाज में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता को मजबूत करना और युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़ना है। कार्यक्रम में समाज के प्रदेश, जिला एवं स्थानीय पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ ने दिया आपदा बचाव का लाइव डेमो

बाढ़ से बचाव के उपाय बताए, नशे से दूर रहने का भी दिया संदेश

भोपाल। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने रविवार को शीतलदास की बगिया में आपदा प्रबंधन एवं बचाव का लाइव डेमो प्रस्तुत कर लोगों को बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सुरक्षित रहने के प्रभावी उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में आपदा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपात स्थिति में सही तरीके से बचाव करने का प्रशिक्षण देना था।

एनडीआरएफ की टीम ने बताया कि आपदा के समय घबराने के बजाय धैर्य, सतर्कता और सही तकनीक अपनाकर जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। टीम ने बाढ़ के दौरान सुरक्षित निकासी, लाइफ जैकेट पहनने की सही विधि, पानी में बचाव के तरीके तथा घरेलू सामान की मदद से अस्थायी फ्लोटेशन डिवाइस तैयार करने का व्यावहारिक प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में नगर सुरक्षा समिति, श्यामला हिल्स के सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर भोपाल पुलिस के %नशे से दूरी% अभियान के तहत युवाओं और नागरिकों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।

आयोजन में गोताखोर शेख आसिफ, अकबर खान सहित थाना श्यामला हिल्स का पुलिस स्टाफ और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने एनडीआरएफ के प्रदर्शन को उपयोगी बताते हुए आपदा प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

पंच-ज अभियान के तहत पीपुल्स यूनिवर्सिटी में वृक्षारोपण व विधिक जागरूकता कार्यक्रम

50 से अधिक पौधे लगाए, विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता व लोक अदालत की दी जानकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के तत्वावधान में रविवार को पंच-ज अभियान के अंतर्गत स्कूल ऑफ लॉ स्टडीज़, पीपुल्स यूनिवर्सिटी में वृक्षारोपण एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल के नेतृत्व में हुआ।

कार्यक्रम में पीपुल्स यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ. निरजा मालिक, स्कूल ऑफ लॉ के विभागाध्यक्ष प्रिंस कुमार गुप्ता, प्राचार्य प्रो. रविकांत गुप्ता, लीगल एड सेल के प्रभारी, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर परिसर में 50 से अधिक पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प भी लिया।

सचिव सुनीत अग्रवाल ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पात्र एवं जरूरतमंद नागरिकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और विधिक जागरूकता को सामाजिक उत्तरदायित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की विधिक जिज्ञासाओं का विशेषज्ञों ने सरल एवं व्यावहारिक समाधान किया। अंत में प्रो. रविकांत गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, विधिक जागरूकता और सामाजिक दायित्व के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

ऑपरेशन हमदर्द में जीआरपी ने बचाई नाबालिग बच्ची

भोपाल। जीआरपी भोपाल ने ऑपरेशन हमदर्द के तहत रेलवे स्टेशन से एक लावारिस मिली नाबालिग बच्ची को सुरक्षित बचाकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया। जांच में बच्ची से भिक्षावृत्ति कराने की बात सामने आने पर पुलिस ने उसके पिता के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 76 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, नियमित प्लेटफॉर्म चेकिंग के दौरान बच्ची संदिग्ध अवस्था में घूमती मिली। पूछताछ में उसने अपना नाम नंदिनी और पिता का नाम शंकर बताया। बच्ची ने बताया कि वह नर्मदापुरम जिले के पिपरिया की रहने वाली है और बिना बताए घर से निकल आई थी। जीआरपी ने तत्काल बच्ची को थाने लाकर चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सूचना दी। इसके बाद परिजनों से संपर्क कर पिता को भोपाल बुलाया गया। पहचान और आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद बच्ची को पिता के सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ के दौरान बच्ची से भीख मंगवाने की जानकारी मिलने पर जीआरपी ने पिता के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मन की बात से गढ़ें विकसित भारत का भविष्य : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा का सतत प्रवाह है। यह जन-जीवन को नई दिशा देने वाला जन अभियान है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का प्रत्येक एपिसोड कम समय में गहन विचार और उपयोगी संदेश देता है तथा जीवन को सरल, सफल और सार्थक बनाने की प्रेरणा प्रदान करता है।

रविवार को कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने छात्राओं, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। कार्यक्रम से पहले छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर के सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को इस मंच के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान मिलती है। यह कार्यक्रम सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने छात्राओं से नियमित रूप से मन की बात सुनने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी समाज और राष्ट्र की सेवा का संकल्प लें, जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशील रहें तथा जीवनभर सीखने की भावना बनाए रखें। शिक्षकों से भी उन्होंने विद्यार्थियों में अच्छे चरित्र, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रभक्ति के संस्कार विकसित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम से पूर्व राज्यपाल ने विद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार विज्ञान, इतिहास, कला एवं संस्कृति आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने छात्राओं के नवाचार, मॉडल और प्रस्तुतिकरण की सराहना करते हुए विद्यालय के शैक्षणिक प्रयासों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर विधायक भगवान दास सबनानी ने मन की बात को समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणादायी बताया।

संपादकीय

कैमरों में कैद लोकतंत्र की परीक्षा

अनीता चौबे

राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने केवल कानून-व्यवस्था पर ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित वीडियो यदि सही हैं, तो वे इस बात का संकेत हैं कि भीड़ नियंत्रण के नाम पर बल प्रयोग की सीमाएं कई स्थानों पर लांघी गई। ऐसे आरोप भी सामने आए हैं कि प्रदर्शनकारियों के साथ अनावश्यक मारपीट की गई, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार हुआ और कुछ अज्ञात लोग भी पुलिस कार्रवाई के समानांतर हिंसा करते दिखाई दिए। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है।

लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन कोई अपराध नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है। निस्संदेह, यह अधिकार पूर्णतः असीमित नहीं है और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है। किंतु यह दायित्व नागरिकों की गरिमा और मानवाधिकारों की रक्षा के साथ निभाया जाना चाहिए। यदि कहीं हिंसा होती है या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचता है, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ अत्यधिक बल प्रयोग या अपमानजनक व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता।

घटना से जुड़े वीडियो और आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। यदि किसी पुलिस अधिकारी या अन्य व्यक्ति ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है, तो उसकी पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, यदि प्रदर्शनकारियों में शामिल किसी तत्व ने हिंसा भड़काई या सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, तो उसके खिलाफ भी समान रूप से कठोर कदम उठाए जाने चाहिए। कानून का राज तभी स्थापित होता है जब न्याय बिना किसी पक्षपात के हो।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले की सुनवाई के लिए सहमति देना इस बात का संकेत है कि न्यायपालिका नागरिक अधिकारों से जुड़े गंभीर प्रश्नों को महत्व देती है। न्यायिक जांच और तथ्यात्मक पड़ताल से ही यह स्पष्ट होगा कि घटनाओं का वास्तविक स्वरूप क्या था और किसकी क्या जिम्मेदारी थी। लोकतंत्र में जवाबदेही केवल नागरिकों की नहीं, बल्कि राज्य की संस्थाओं की भी होती है।

यह घटना एक व्यापक संदेश भी देती है कि पुलिस सुधार, भीड़ नियंत्रण के आधुनिक और मानवीय तरीकों का प्रशिक्षण तथा जवाबदेही की मजबूत व्यवस्था अब टाली नहीं जा सकती। कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विश्वसनीयता तभी बनी रहेगी जब वे निष्पक्ष, संयमित और संवेदनशील दिखाई दें। लोकतंत्र की शक्ति विरोध को दबाने में नहीं, बल्कि उसे सुनने और कानून के दायरे में उसका समाधान खोजने में निहित है। जंतर-मंतर की घटना से यही सीख लेकर आगे बढ़ना समय की मांग है।

सुविचार

जिसने ज्ञान को आचरण में उतार लिया, उसने ईश्वर को मूर्तिमान कर लिया।
- विनोबा भावे

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 30 वां वर्ष

सेहत

मोरिंगा पाउडर के पत्तों का चूर्ण से सेहत

मोरिंगा पाउडर (सहजन के पत्तों का चूर्ण) पोषक तत्वों का पावरहाउस है, जो प्रतिरक्षा बढ़ाने, सूजन कम करने, पाचन सुधारने, वजन प्रबंधन, और त्वचा/बालों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए, सी, ई और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जो थकान दूर कर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है।

मोरिंगा पाउडर के मुख्य स्वास्थ्य लाभ

रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि- विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट की प्रचुर मात्रा के कारण, यह संक्रमणों से लड़ने में मदद करता है।

पाचन और वजन प्रबंधन- इसमें उच्च फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है, कब्ज से राहत देता है और पेट भरा महसूस कराकर वजन कम करने में मदद करता है।

थकान और कमजोरी में आराम- आयरन का बेहतरीन स्रोत होने के कारण, यह एनीमिया (खून की कमी) को दूर करता है और शरीर को ऊर्जा देता है।

बीटा-कैरोटीन एक आवश्यक घटक है जो रेटिनॉल (विटामिन ए) में परिवर्तित होता है, जो दृष्टि और समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए आवश्यक है।

इसके एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को अंदर से साफ करते हैं और बालों को स्ट्रिक्टली ब्लॉक करते हैं।

जोड़ों के दर्द में राहत- इसके सूजन-रोधी गुण जोड़ों के दर्द, सूजन और अकड़न को कम करने में असरदार हैं।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद- विटामिन ई और सी के कारण यह त्वचा में ग्लो लाता है, कील-मुहांसे कम करता है, और बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है।

ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण- यह ब्लड शुगर लेवल को स्टेबल करने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे हार्ट हेल्थ सुधरती है।

उपयोग कैसे करें-आप इसे गर्म पानी, स्मूदी, सूप, या दाल/सब्जी में मिलाकर 1 चम्मच (शुरुआत में कम मात्रा) ले सकते हैं।

नोट- गर्भवती महिलाओं और थायरॉइड की समस्या वालों को इसे लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

ज्ञानवाणी

सबसे बड़ा धन -अपने रिश्ते

श्मशान से लौटते समय पूरे परिवार में गहरा सन्नाटा था। अभी कुछ देर पहले ही उन्होंने अपने एक प्रिय रिश्तेदार को अंतिम विदाई दी थी। किसी की आँखें नम थीं, कोई चुपचाप आसमान की ओर देख रहा था। सबके मन में एक ही सवाल था–जीवन इतना छोटा क्यों है?

इसी बीच नौ साल का आर्यन अपने दादाजी का हाथ पकड़कर धीरे-धीरे चल रहा था। कुछ दूर चलने के बाद उसने मासूमियत से पूछा–

दादाजी जो अंकल आज चले गए, क्या वे अपना घर, गाड़ी और बैंक का सारा पैसा भी अपने साथ ले गए?

दादाजी हल्का-सा मुस्कुराए और उसके सिर पर हाथ फेरते हुए बोले–

नहीं बेटा, इंसान इस दुनिया से खाली हाथ आता है और खाली हाथ ही जाता है। उसके साथ सिर्फ़ उसके अच्छे कर्म, लोगों की दुआएँ और उसकी अच्छी यादें जाती हैं।

आर्यन कुछ पल सोचता रहा। फिर उसने ऐसा सवाल पूछा कि वहाँ चल रहे सभी लोगों के कदम रुक गए।

अगर सब कुछ यहीं रह जाता है तो लोग अपने ही लोगों से बात करना क्यों छोड़ देते हैं? छोटी-छोटी बातों पर सालों तक नाराज़ क्यों रहते हैं? अगर एक दिन सबको चले जाना है, तो लोग गले लगकर क्यों नहीं जीते?

उसकी मासूम आवाज़ सुनकर सबकी आँखें झुक गई। किसी के पास उत्तर नहीं था।

दादाजी ने उसे सीने से लगाया और बोले–

बेटा, इंसान की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह सोचता है–अभी बहुत समय है। वह माफ़ी कल माँग लूँगा, प्यार बाद में जता दूँगा, रिश्ता फिर कभी ठीक कर लूँगा। लेकिन समय कभी किसी का इंतज़ार नहीं करता। कई बार कल आने से पहले ही ज़िंदगी की किताब बंद हो जाती है।

आर्यन ने तुरंत कहा–

दादाजी, मैं बड़ा होकर कभी किसी अपने से नाराज़ होकर नहीं सोऊँगा। अगर मेरी गलती होगी तो मैं उसी दिन माफ़ी माँग लूँगा। क्योंकि मुझे किसी को खोने के बाद पछताना नहीं है।

उसकी यह बात सुनकर कई लोगों की आँखें भर आई।

घर पहुँचते ही एक अनोखा दृश्य देखने को मिला।

जो दो भाई वर्षों से ज़मीन के झगड़े में बात नहीं करते थे, उनमें से छोटे भाई ने बड़े भाई को फोन लगाया।

भैया अगर मेरी वजह से आपका दिल दुखा हो तो मुझे माफ़ कर दीजिए। ज़मीन बाद में भी बँट जाएगी, लेकिन अगर रिश्ता टूट गया तो फिर कभी नहीं जुड़ पाएगा।

फोन के दूसरी तरफ़ कुछ पल तक सन्नाटा रहा। फिर बड़े भाई की भर्राई हुई आवाज़ आई–

मुझे भी माफ़ कर दे... मैं भी तुझे बहुत याद करता था।

दोनों भाई फूट-फूटकर रो पड़े।

उधर परिवार की एक बहू, जो कई महीनों से अपनी सास से नाराज़ थी, चुपचाप उनके कमरे में गई। उनके पैरों पर सिर रखकर बोली–

माँजी, मुझसे भी बहुत गलतियाँ हुई हैं। मुझे माफ़ कर दीजिए।

सास ने उसे उठाकर गले लगा लिया।

उसी शाम एक बेटे ने वर्षों बाद अपनी माँ के साथ बैठकर खाना खाया। एक पिता ने अपने बेटे को पहली बार गले लगाया। एक बहन ने अपनी रूठी हुई बहन को संदेश भेजा–

बहन, रिश्ते अहंकार से बड़े होते हैं। घर आ जाओ।

धीरे-धीरे पूरे परिवार का माहौल बदलने लगा।

नैतिकता का नया तकाजा, कांग्रेस की आक्रामकता और पंजाब सरकार के सामने कसौटी

> **धर्मेंद्र प्रधान के इस कदम ने न केवल केंद्र सरकार की जवाबदेही को रेखांकित किया है, बल्कि देश की राजनीति में एक नया नैतिक मानदंड भी स्थापित कर दिया है। इस घटनाक्रम के तुरंत बाद, देश भर में विपक्षी ताकतों और खासकर आम आदमी पार्टी ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया, लेकिन अब यही नैतिकता का तीर घूमकर खुद आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ मुड़ता दिख रहा है। विशेष रूप से पंजाब की सियासत में इस इस्तीफे के बाद से एक भारी भूचाल आया हुआ है, जहां मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस अब बेहद आक्रामक आंदोलन के मूड में है और राज्य के दो बड़े मंत्रियों के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है।**

अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र में नैतिक जिम्मेदारी और राजनीतिक शुचिता का मुद्दा समय-समय पर करवटें लेता रहा है। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी लोकतांत्रिक परिपक्वता और जवाबदेही की एक मिसाल बनकर सामने आया है। नीट-यूजी परीक्षा के विवादों, पेपर लीक के आरोपों और देशव्यापी छात्र आंदोलनों के लंबे दौर के बाद केंद्र सरकार के इस बड़े चेहरे का जाना महक एक व्यक्ति का इस्तीफा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक दबाव की बड़ी जीत है। लेकिन राजनीति का एक शाश्वत नियम है कि जब दिल्ली में पत्ता हिलता है, तो उसकी सरसराहट राज्यों की राजधानियों तक भी पहुंचती है। धर्मेंद्र प्रधान के इस कदम ने न केवल केंद्र सरकार की जवाबदेही को रेखांकित किया है, बल्कि देश की राजनीति में एक नया नैतिक मानदंड भी स्थापित कर दिया है। इस घटनाक्रम के तुरंत बाद, देश भर में विपक्षी ताकतों और खासकर आम आदमी पार्टी ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया, लेकिन अब यही नैतिकता का तीर घूमकर खुद आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ मुड़ता दिख रहा है। विशेष रूप से पंजाब की सियासत में इस इस्तीफे के बाद से एक भारी भूचाल आया हुआ है, जहां मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस अब बेहद आक्रामक आंदोलन के मूड में है और राज्य के दो बड़े मंत्रियों के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है। जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने अपना इस्तीफा सौंपा, तो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से लेकर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा तक, पूरी पार्टी ने इसे युवाओं के संघर्ष और ईमानदारी की जीत के रूप में प्रचारित किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर हुई चूक पर शीर्ष नेतृत्व की जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। लेकिन पंजाब की सियासत पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि नैतिकता का यह सिद्धांत एकतरफा नहीं हो सकता। पंजाब में पिछले कुछ समय से कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलताएं, खनन और कुछ विभागों में पारदर्शिता की कमी को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। अब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को हथियार बनाकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और अन्य ताकतों ने आप सरकार पर जबरदस्त नैतिक दबाव बना दिया है।

पंजाब के राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि यदि केंद्र में पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों के लिए कोई मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ सकता है, तो पंजाब में विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं के घेरे में आए मंत्रियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए? विपक्ष का सीधा हमला मुख्यमंत्री भगवंत मान की कैबिनेट के उन दो प्रमुख चेहरों पर है, जिनके विभागों को लेकर हाल के दिनों में गंभीर सवाल उठे हैं। पंजाब की सियासत में इस समय सबसे बड़ा और तीखा हमला कांग्रेस पार्टी की ओर से देखा जा रहा है। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर एक व्यापक रणनीति तैयार की है। कांग्रेस का तर्क बेहद सीधा और मारक है–जो आम आदमी पार्टी दिल्ली में बैठकर नैतिकता के लंबे-चौड़े भाषण देती है और केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफे पर जश्न मनाती है, वह अपने राज्य के मंत्रियों की गंभीर गलतियों पर पर्दा क्यों डाल रही है? कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि पंजाब की जनता ने बदलाव के नाम पर आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी, लेकिन आज राज्य में प्रशासनिक अराजकता का माहौल है। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मुद्दे को केवल बयानों तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि ब्लॉक स्तर से लेकर चंडीगढ़ में राजभवन और मुख्यमंत्री आवास के घेराव तक एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस की इस आक्रामकता ने पंजाब की भगवंत मान सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में आने पर मजबूर कर दिया है, क्योंकि कांग्रेस इस आंदोलन के जरिए सीधे तौर पर युवाओं, बेरोजगारों और आम जनता की भावनाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है। पंजाब में इस समय मंत्रियों के इस्तीफे की मांग और कांग्रेस के नेतृत्व में खड़े हो रहे आंदोलन के पीछे कई गहरे आंतरिक कारण हैं-जैसे प्रशासनिक जवाबदेही की कमीः पंजाब में कई सरकारी परीक्षाओं, भर्तियों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर लगातार उंगलियां उठती रही हैं। कांग्रेस का आरोप है कि युवाओं को रोजगार देने के वादे पर सत्ता में आई सरकार के राज में कई विसंगतियां और भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, जिन पर मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं।नैतिक मापदंडों का दोहरा रवैयाः विपक्षी नेताओं का कहना है कि राजनीति में मापदंड सबके लिए समान होने चाहिए। अगर केंद्र की गलती पर इस्तीफा सही है, तो पंजाब सरकार के मंत्रियों की गलतियों पर चुप्पी क्यों? कांग्रेस इसे आप का पाखंड करार दे रही है।जनता का बढ़ता असंतोष– पंजाब का युवा और किसान वर्ग हमेशा से अपने अधिकारों के प्रति मुखर रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राज्य के युवाओं में भी यह संदेश गया है कि लोकतांत्रिक दबाव के आगे सरकारों को झुकना ही पड़ता है। इसी भावना को कांग्रेस एक बड़े राष्ट्रव्यापी और राज्यव्यापी आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है।

यह इस समय पंजाब की राजनीति का सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न बना हुआ है। सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पंजाब कैबिनेट के दो मंत्रियों पर इस समय गाज गिरने की पूरी संभावना जताई जा रही है या कम से कम उन पर इस्तीफे का भारी दबाव है। हालांकि, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है और इसे विपक्ष की राजनीति बताया है।

लेकिन पर्दे के पीछे की कहानी कुछ अलग बयां करती है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए आंतरिक संतुलन और जनता के बीच अपनी छवि को बचाना सबसे बड़ी चुनौती होती है। आप इस समय दोहरी मुसीबत में है। एक तरफ अगर वह अपने मंत्रियों का इस्तीफा नहीं लेती है, तो कांग्रेस उसे नैतिकता विरोधी और दोहरे चरित्र वाली पार्टी साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ, यदि मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए जाते हैं, तो यह सीधे तौर पर कांग्रेस और विपक्ष की बड़ी राजनीतिक जीत मानी जाएगी और इससे सरकार की अपनी कमजोरी उजागर होगी। इसके बावजूद, अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी अपनी ईमानदार और जवाबदेह सरकार की छवि को बचाए रखने के लिए आने वाले दिनों में कैबिनेट में बड़ा फेरबदल कर सकती है, जिसमें इन दो विवादित मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनके विभाग बदले जा सकते हैं।

शोर शराबे में बर्बाद होता संसद का समय

डॉ. ओपी त्रिपाठी

18वीं लोकसभा के मानसून सत्र के पांचवें दिन भी विपक्षी सांसदों ने खूब शोर-शराबा किया। लोकसभा में 24 जुलाई की कार्यवाही मुख्य रूप से नीटT पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई। विपक्ष के लगातार विरोध प्रदर्शन के कारण सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी। इस हंगामे की भेंट 45 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं। जो करोड़ों रुपये बर्बाद किये गय वह किसी सरकार, विपक्ष, राजनीतिक दल या आंदोलनकारी की राशि नहीं थी। टैक्सपेयर ने दी थी, ताकि संसद चल सके।

आज देश इतिहास के सबसे गैर-जिम्मेदार विपक्ष को देख रहा है! संसद की कार्यवाही में जिस तरह से विघ्न उत्पन्न करने का काम विपक्ष के दल कर रहे हैं। उससे यह बात एकदम स्पष्ट हो गई है कि विपक्ष के भीतर से राष्ट्रहित का भाव नष्ट हो गया है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है। यहीं पर देश की नीतियां बनती हैं, कानून बनते हैं और जनता से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा होती है। लेकिन जब संसद का समय शोर-शराबे, हंगामे और राजनीतिक प्रदर्शन की बलि चढ़ जाता है, तो इसका सीधा नुकसान देश और जनता को उठाना पड़ता है। न केवल इस बजट सत्र में बल्कि पूर्व के अनेक सत्रों में सदन की कार्यवाही जिस तरह बाधित हुई है, वह लोकतांत्रिक मर्यादाओं और जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

संसद के सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए हर सेकेंड सरकारी खजाने से पैसा पानी की तरह से बहता है। सरकारी आंकड़ों और आधिकारिक अनुमानों की मानें तो संसद चलाने की प्रति मिनट लागत लगभग 2.5 लाख रुपये के आसपास बैठती है। इस हिसाब से अगर सदन सिर्फ एक घंटे के लिए भी हंगामे की वजह से बाधित होता है, तो देश को करीब 1.5 करोड़ रुपये का सीधा वित्तीय नुकसान झेलना पड़ता है। साल 2014 से 2024 के आंकड़ों पर नजर डालें, तो बार-बार के स्थगन और शोर-शराबे की वजह से सार्वजनिक धन के लगभग 3,300 करोड़ रुपये पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं।

सदन में कामकाज न होने की वजह से सिर्फ देश को आर्थिक नुकसान नहीं होता है, बल्कि देश के विकास से जुड़े विधायी कार्य भी अधर में लटक जाते हैं। जब संसद की कार्यवाही स्थगित होती है तो जनता के हित में पेश किए जाने वाले विधेयक पर बहस और चर्चा रुक जाती है। कानून बनाने की प्रक्रिया में देरी होने की वजह से सरकार की नई योजनाएं, नीतियां और नीतिगत फैसले समय पर लागू नहीं हो पाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि पूरे देश के प्रशासनिक और विकास के काम रुक जाते हैं।

संसद का सत्र सिर्फ कानून बनाने के लिए नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही तय करने का सबसे बड़ा मंच होता है। जब हंगामा होता है तो सबसे ज्यादा नुकसान प्रश्नकाल और शून्यकाल के दौरान होता है। इन सत्रों में जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, बुनियादी जरूरतों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछते हैं। कार्यवाही ठप होने से जनता के सवालों पर जवाब मांगने का यह कीमती मौका हाथ से निकल जाता है और लोकतंत्र की यह अहम प्रक्रिया पूरी तरह से बेअसर होकर रह जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जुलाई, देर रात फास्ट ट्रैक कोर्ट बिल के मसविदे की घोषणा की है और शिक्षा मंत्रालय के दो शीर्ष, सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। अब कैबिनेट की स्वीकृति के बाद विधेयक संसद में आना है। संसद में ही उसे पारित किया जा सकता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वह कानून बन सकता है। यदि संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट का बिल और माफिया को जल्द और कठिन दंड और असंभव-सी जमानत वाला कानून लटक कर रह जाएगा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि सदन को चलाने के लिए जितने जरूरी हैं नियम-कायदे, उतनी ही अहमियत परंपराओं की भी है। और लोकतंत्र की परंपरा रही है कि सभी को बात रखने का मौका मिले। सरकार के पास बात रखने के लिए कई मंच और मौके होते हैं, पर विपक्ष के लिए सबसे बड़ा मंच सदन ही है, जहां वह सवाल पूछ सकता है। ये सवाल सरकार की जवाबदेही तय करने और नीतियों में संतुलन के लिए जरूरी हैं। पीठासीन अधिकारी सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनसे निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। विपक्ष को उनसे यह भरोसा रहता है कि वह बराबरी का मौका देंगे। मौका मिलता भी है, लेकिन विपक्ष अपनी बात कहने के बाद, सरकार का पक्ष सुनना नहीं चाहता। विपक्ष रणनीति के तहत यह प्रचारित करता है आसन उनके प्रति समान व्यवहार नहीं कर रहा।

विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, नीतियों पर चर्चा करना और जनहित के मुद्दों को उठाना है; लेकिन यदि विपक्ष चर्चा से बचते हुए केवल हंगामा और राजनीतिक एजेंडा चलाने में ही लगा रहे, तो यह लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। अध्यक्ष पद पर आसीन सांसद पर ही सवाल उठा देना और जनहित के मुद्दों पर हंगामा करना, ये कहां तक उचित है! 140 करोड़ जनता की अपने सांसदों अपेक्षा रहती है कि सदन चले, यहां चर्चा और संवाद हो। लेकिन विपक्ष नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा करना चाहता है।

तथ्य, दुष्प्रचार और भारतीय राजनीति का बदलता हुआ स्वरूप

महेन्द्र तिवारी

भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो वह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में समर्थकों और विरोधियों के बीच जो तीखी बयानबाजी हुई, उसने आधुनिक लोकतंत्र में सूचना, तथ्य और दुष्प्रचार के बीच की लगातार धुंधली होती रेखा को भी पूरी तरह उजागर कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय एक बहुत ही दिलचस्प और विचारणीय विषय है। इसकी शुरुआत एक व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में हुई थी, जिसका प्रारंभिक उद्देश्य संभवतः व्यवस्था की खामियों पर हल्का कटाक्ष करना था। लेकिन देखते ही देखते यह लाखों युवाओं की मुखर आवाज बन गया। इस अप्रत्याशित सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण वह गहरी और संरचनात्मक निराशा थी जो आज के युवाओं में परीक्षा पत्र लीक होने, भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाली घोर अनियमितताओं और लगातार बढ़ती बेरोजगारी को लेकर व्याप्त है। जब भारत के महत्वकांक्षी युवाओं को पारंपरिक राजनीतिक ढांचे में अपने जीवन से जुड़े ज्वलंत सवालों के जवाब नहीं मिले, तो उन्होंने डिजिटल मंचों को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया। इस आंदोलन ने शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल सुधार और रोजगार के समान अवसरों की मांग को इतनी मजबूती से उठाया कि सरकार को भी बचाव की मुद्रा में आना पड़ा। दिल्ली सहित कई अन्य बड़े शहरों में हुए विशाल प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह केवल एक आभासी या डिजिटल आक्रोश नहीं था, बल्कि जमीन पर उबल रहा एक वास्तविक और तीव्र गुस्सा था, जिसने अंततः शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की मांग को मुख्य राष्ट्रीय विमर्श में ला खड़ा किया।

जैसे जैसे आंदोलन ने गति पकड़ी और इसका प्रभाव बढ़ने लगा, वैसे वैसे इसके विरोध में भी एक समानांतर और अत्यंत आक्रामक डिजिटल अभियान शुरू हो गया। सोशल मीडिया की यही मूल प्रकृति है कि यहां हर राजनीतिक क्रिया की एक त्वरित और अक्सर बहुत उग्र प्रतिक्रिया होती है। अनेक वायरल पोस्टों के माध्यम से आंदोलन के संस्थापकों और प्रमुख चेहरों पर अत्यंत गंभीर और संगीन आरोप लगाए जाने लगे। यह दावा बड़े पैमाने पर किया गया कि इस आंदोलन का वास्तविक संचालन विदेशों से हो रहा है और इसके पीछे भारत विरोधी विदेशी शक्तियों का हाथ है। कुछ भ्रामक दावों में तो यहां तक कहा गया कि इनके डिजिटल समर्थकों और फॉलोअर्स का एक बहुत बड़ा हिस्सा पड़ोसी देशों से संचालित हो रहा है। लेकिन किसी भी परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी आरोप को तब तक सत्य नहीं माना जा सकता जब तक कि उसके समर्थन में ठोस, निष्पक्ष और स्वतंत्र प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध न हों। प्रमुख और विश्वसनीय समाचार संस्थानों ने भी इन आंकड़ों की कोई पुष्टि नहीं की। ऐसे में, बिना किसी विश्वसनीय साक्ष्य के इन गम्भीर दावों को आंख मूंदकर स्वीकार कर लेना केवल राजनीतिक दुष्प्रचार को बढ़ावा देना है।

फील्ड अनुभव और प्रशिक्षण का समन्वय ही बेहतर सेवा का आधार : कन्याल

नव नियुक्त 40 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के छह दिवसीय इंडक्शन प्रशिक्षण का समापन

गुना, आरएचएम । जिले में नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित छह दिवसीय इंडक्शन प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ। समापन समारोह में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने कहा कि फील्ड अनुभव और प्रशिक्षण का समन्वय कार्यकर्ताओं को अधिक दक्ष, आत्मविश्वासी और प्रभावी बनाता है। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली कार्यकर्ताओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए तथा प्रशिक्षण के दौरान तैयार की गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया।

फील्ड अनुभव के बाद प्रशिक्षण अधिक उपयोगी

कलेक्टर कन्याल ने कहा कि प्रशिक्षण की दोनों व्यवस्थाओं के अपने-अपने लाभ हैं, लेकिन फील्ड में कार्य करने के बाद दिया गया प्रशिक्षण अधिक व्यवहारिक होता है। इससे कार्यकर्ता वास्तविक समस्याओं और चुनौतियों को विशेषज्ञों के समक्ष रखकर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे दोबारा फील्ड में लौटने पर वे अधिक दक्षता और आत्मविश्वास के साथ सेवाएं प्रदान करते हैं।

गर्भावस्था से शुरू होता है बच्चे का विकास

कलेक्टर ने कहा कि बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास गर्भावस्था से ही शुरू हो जाता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं की समुचित देखभाल, बच्चों को संतुलित पोषण और प्रारंभिक शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और शिक्षित समाज के निर्माण में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्वच्छता, पोषण और शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रशिक्षणार्थी उर्मिला परिहार ने बताया कि प्रशिक्षण से बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और केंद्र संचालन के नए तरीके सीखने को मिले हैं। पूजा बंजारा ने कहा कि अब वे फील्ड की चुनौतियों का अधिक आत्मविश्वास से सामना कर सकेंगी। रेनू शर्मा ने बताया कि विभिन्न शासकीय योजनाओं और हितग्राहियों के मार्गदर्शन संबंधी उपयोगी जानकारी मिली। वहीं, संगीता भिलाला ने कहा कि प्रशिक्षण से उनकी शंकाएं दूर हुई हैं और अब वे समस्याओं का बेहतर समाधान कर सकेंगी।

40 कार्यकर्ताओं को योजनाओं की दी गई जानकारी

प्रथम चरण में जिले की विभिन्न परियोजनाओं से चयनित 40 नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्पॉन्सरशिप एवं फॉस्टर केयर योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, पूरक पोषण आहार कार्यक्रम, संपर्क एवं पोषण ट्रैकर एप सहित मातृ-शिशु स्वास्थ्य और केंद्र संचालन से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई।

प्रमाण-पत्र वितरण व प्रदर्शनी का अवलोकन

समापन समारोह में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कलेक्टर ने प्रशिक्षण के दौरान तैयार की गई प्रदर्शनी और नवाचारों का अवलोकन कर उनकी सराहना की। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश चंदेल, सीएमएचओ डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर, सहायक संचालक रिशु सुमन सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभावी काउंसलिंग और हस्तक्षेप से आसान होगी तंबाकू से मुक्ति

गुना, आरएचएम । राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में जिले के दंत चिकित्सकों, मेडिकल ऑफिसर्स, आरबीएसके आयुष मेडिकल ऑफिसर्स एवं आरकेएसके परामर्शदाताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर ने कहा कि तंबाकू से होने वाली गंभीर बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी काउंसलिंग और बिहेवियर थेरेपी सबसे कारगर उपाय हैं। उन्होंने चिकित्सकों से प्रत्येक तंबाकू सेवनकर्ता को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। जिला नोडल अधिकारी विनीता सोनी ने बताया कि तंबाकू निषेध परामर्श केंद्र (टीसीसी) के माध्यम से तंबाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों को निःशुल्क परामर्श, नियमित फॉलो-अप और आवश्यकता अनुसार निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि जल्द ही जिले के सभी विकासखंडों में टीसीसी केंद्र शुरू किए जाएंगे। प्रशिक्षण में टीसीसी प्रभारी डॉ. अरुणप्रकाश धाकड़ ने तंबाकू निर्भरता की पहचान, एनआरटी की डोज, सुरक्षित उपयोग और मरीजों के फॉलो-अप की जानकारी दी।

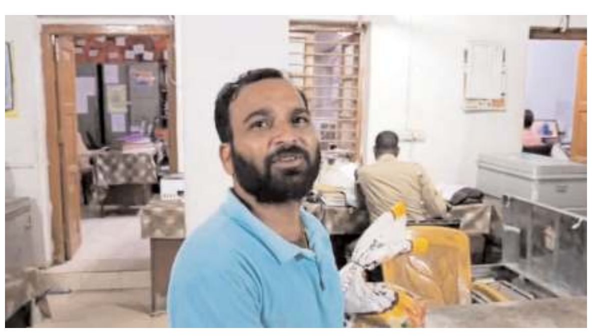

मैहर में पुलिस चौकी के सामने किराना दुकान से अवैध शराब जब्त

मैहर, आरएचएम । मां शारदा की नगरी मैहर में पुलिस चौकी के सामने संचालित एक किराना दुकान पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मंदिर क्षेत्र स्थित प्रहलाद केशरवानी किराना स्टोर के संचालक मनोज केशरवानी के यहां अवैध शराब बिक्री की सूचना पर चौकी प्रभारी रंजीत सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। छापे के दौरान दुकान का शटर बंद मिला। तलाशी लेने पर आरोपी अपने कुछ साथियों के साथ अंदर मौजूद मिला और मौके से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान से लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें की जा रही थीं। घटना के बाद लोगों ने सवाल उठाए हैं कि पुलिस चौकी के समीप कथित रूप से यह कारोबार इतने समय तक कैसे चलता रहा। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच के साथ जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने मैहर को पवित्र नगरी घोषित किया है और धार्मिक क्षेत्र में शराबबंदी को लेकर सख्त निर्देश जारी हैं। ऐसे में इस कार्रवाई के बाद निगरानी व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी चर्चा तेज हो गई है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, लंबे समय से अवैध कारोबार और कथित मिलीभगत के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन के विरोध में गांधी प्रतिमा पर मौन प्रदर्शन

सामाजिक संगठनों ने सरकार से फैसला वापस लेने की मांग की, याचिका दायर करने की तैयारी

जबलपुर, आरएचएम । मध्यप्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन के विरोध में नागरिक उपभोक्ता मंच एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष मौन प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए शीघ्र ही न्यायालय में याचिका दायर करने की बात कही।

नागरिक उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने आरोप लगाया कि जबलपुर की लगातार उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले अन्य प्रमुख संस्थानों का स्थानांतरण हुआ और अब मेडिकल यूनिवर्सिटी का विखंडन कर उसका एक हिस्सा उज्जैन स्थानांतरित किया जा रहा है।

इससे शहर की पहचान और महत्व प्रभावित होगा।

मंच के सदस्य रजत भार्गव ने कहा कि इस मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों को प्रभावी ढंग से विरोध दर्ज कराना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उन्होंने बताया कि अब सामाजिक संगठन इस निर्णय के खिलाफ जनआंदोलन और कानूनी लड़ाई दोनों लड़ेंगे। उनका कहना था कि देश के कई राज्यों में एक ही मेडिकल यूनिवर्सिटी सफलतापूर्वक संचालित हो रही है, इसलिए विखंडन की आवश्यकता समझ से परे है।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से निर्णय वापस लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि फैसला नहीं बदला गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। वहीं, मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन के खिलाफ जल्द ही हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की तैयारी भी की जा रही है।

कपड़े सुखाते समय करंट लगने से बहू-ससुर की मौत

जबलपुर, आरएचएम । सिहोरा थाना क्षेत्र के महगवां गांव में कल दोपहर करंट लगने से एक ही परिवार के दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उन्हें बचाने के प्रयास में एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। घायल का उपचार अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 3 बजे 27 वर्षीय मयूरी दुबे घर की गैलरी में लगे जीआई वायर पर कपड़े सुखा रही थीं। इसी दौरान वायर में करंट आ जाने से वह उसकी चपेट में आ गई। मयूरी की चीख सुनकर उनके 75 वर्षीय ससुर विष्णु दुबे उन्हें बचाने पहुंचे, लेकिन बहू को छुड़ाने के प्रयास में वे भी करंट की चपेट में आ गए। इस दौरान पति मुकेश दुबे (40) ने दोनों को बचाने की कोशिश की, जिससे उनका हाथ बुरी तरह झुलस गया।

अशोकनगर में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल आपदा प्रबंधन की तैयारियों का अभ्यास

अशोकनगर, आरएचएम । मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर कलेक्टर साकेत मालवीय एवं पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में गुरुवार रात नागरिक सुरक्षा के तहत ब्लैकआउट मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

रात्रि 9:30 बजे रेड अलर्ट सायरन बजाकर नागरिकों को सतर्क किया गया, जिसके बाद लोगों ने अपने घरों की लाइटें बंद कर ब्लैकआउट का पालन किया। इसके बाद हवाई हमले, आगजनी और भवन ध्वस्त होने की काल्पनिक स्थिति तैयार कर बचाव एवं राहत कार्य का अभ्यास किया गया। डुपांच मिनट बाद ग्रीन अलर्ट सायरन बजने पर फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ, होमगार्ड, पुलिस और अन्य बचाव दलों ने घायलों का रेस्क्यू कर उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से सुरक्षित स्थान पहुंचाया। मॉक ड्रिल राजस्व, पुलिस, चिकित्सा, विद्युत, नगर पालिका सहित विभिन्न विभागों के समन्वय से सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

लहार और गोहद ब्लॉक की खराब स्वास्थ्य प्रगति पर कलेक्टर सख्त

गोहद बीएमओ का प्रभार हटाने के निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

भिण्ड, आरएचएम । कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की बैठक में टीकाकरण, दस्तक अभियान, एएनसी जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान लहार और गोहद ब्लॉक की खराब प्रगति पर नाराजगी जताई गई।

लगातार तीन बैठकों में गोहद ब्लॉक का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं मिलने पर कलेक्टर ने गोहद बीएमओ का प्रभार किसी अन्य वरिष्ठ चिकित्सक को सौंपने के निर्देश दिए। साथ ही लहार ब्लॉक की धीमी प्रगति में सुधार लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही या उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी और खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारियों, जिला मलेरिया अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला कम्युनिटी मैनेजर, सभी खंड चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक कम्युनिटी मैनेजर एवं विकास भागीदारों ने भाग लिया।

स्वैच्छिकता पर्व पर 1000 सीड बॉल्स का प्रक्षेपण

छिंदवाड़ा, आरएचएम । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्वैच्छिकता पर्व के तहत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धरमटेकरी में 1,000 सीड बॉल्स का प्रक्षेपण एवं बीजारोपण किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक अखिलेश जैन के निर्देशानुसार एवं परामर्शदाता विनोद तिवारी के सहयोग से आयोजित हुआ। वार्ड क्रमांक-7 की प्रेरणा नगर विकास प्रस्फुटन समिति, मॉडल फ्यूचर संस्था, नगर निगम तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान का नेतृत्व संस्था अध्यक्ष आयशा लोधी ने किया।

दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में उपचार जारी

जंतर-मंतर प्रदर्शन में जबलपुर का युवक गंभीर घायल, आंख का ऑपरेशन

जबलपुर, आरएचएम । दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान जबलपुर जिले के पाटन निवासी 25 वर्षीय इरशाद मंसूरी पेलेट गन के छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। छर्रा उनकी आंख में लगने से उन्हें तत्काल दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी आंख का ऑपरेशन किया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति चिकित्सकीय निगरानी में है।

एमबीए के बाद दिल्ली में कर रहे थे नौकरी

परिजनों के अनुसार, इरशाद मंसूरी ने इंदौर से एमबीए की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में दिल्ली की एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। 20 जुलाई को वे अपने कुछ दोस्तों के साथ जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसी दौरान हुई कार्रवाई में पेलेट गन का एक छर्रा उनकी आंख में लग गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पिता पहुंचे दिल्ली

इरशाद के बड़े भाई शेख मुस्तफा मंसूरी ने बताया कि घटना की जानकारी 20 जुलाई की शाम करीब आठ बजे एक मित्र के माध्यम से मिली। सूचना मिलते ही उनके पिता दिल्ली रवाना हो गए और तब से अस्पताल में रहकर इरशाद की देखभाल कर रहे हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी लगातार चिकित्सकों के संपर्क में हैं। मुस्तफा मंसूरी ने बताया कि डॉक्टरों ने इरशाद की आंख का ऑपरेशन कर दिया है। हालांकि, उनकी आंख की रोशनी कितनी सुरक्षित है और दृष्टि पर कितना असर पड़ा है, इसका सही आकलन पट्टी हटाने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने जाना हालचाल

इलाज के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा भी अस्पताल पहुंचे और इरशाद मंसूरी का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली और बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इरशाद के भाई शेख मुस्तफा मंसूरी ने कहा कि परिवार को पहले यह जानकारी नहीं थी कि इरशाद प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि प्रदर्शन के दौरान घायल हुए सभी लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उन्होंने अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों की मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पुलिस कार्रवाई पर बना हुआ है विवाद

जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर विभिन्न पक्षों की ओर से अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। घटना की जांच और उससे जुड़े तथ्यों पर संबंधित एजेंसियां कार्य कर रही हैं। इस बीच, इरशाद मंसूरी के परिजन उनकी शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं और डॉक्टरों की अगली रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

स्कूल परिसर से हटाया गया अतिक्रमण

अशोकनगर, आरएचएम । ग्राम सेमरी शाहबाद स्थित शासकीय स्कूल परिसर से प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। यह कार्रवाई केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देश के बाद की गई। ग्राम चौपाल कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने स्कूल परिसर से अतिक्रमण हटाने की मांग करते हुए केंद्रीय मंत्री को आवेदन सौंपा था। इस पर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर साकेत मालवीय के निर्देशन में तहसीलदार शाढ़ौरा गौरीशंकर बैरवा के नेतृत्व में राजस्व अमले ने स्कूल परिसर से अतिक्रमण हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

अऋणी किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जोड़ने पर रहेगा विशेष फोकस

फसल बीमा जागरूकता रथों को दिखाई हरी झंडी

130 पंचायतों में पहुंचकर किसानों को करेंगे जागरूक

विदिशा,आरएचएम। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा फसल बीमा माह के अंतर्गत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए रविवार को विदिशा से दो विशेष जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक किसानों, विशेष रूप से अऋणी किसानों तक योजना की जानकारी पहुंचाकर उन्हें फसल बीमा के लिए प्रेरित करना है, ताकि प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की अनिश्चितताओं से होने वाले नुकसान की स्थिति में उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

विधायक मुकेश टंडन, जिला पंचायत सीईओ ओ.पी. सनोडिया तथा उप संचालक कृषि सचिन जैन ने संयुक्त रूप से रविवार को उप संचालक कृषि कार्यालय परिसर से दोनों प्रचार-प्रसार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करती है और प्रत्येक पात्र किसान को इसका लाभ लेना चाहिए।

जागरूकता अभियान के तहत दोनों रथ 26 जुलाई से 31 जुलाई तक जिले की लगभग 130 ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेंगे। आधुनिक ऑडियो-वीडियो उपकरणों से सुसज्जित इन रथों के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, बीमा कराने की समय-सीमा, प्रीमियम, दावा प्रक्रिया तथा योजना से मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही लाउडस्पीकर के माध्यम से संदेश प्रसारित किए जाएंगे तथा पम्पलेट वितरित कर किसानों को जागरूक किया जाएगा।

कृषि विभाग ने बताया कि इस वर्ष अभियान में विशेष रूप से अऋणी किसानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, क्योंकि ऐसे कई किसान अभी भी योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक किसान फसल बीमा कराकर अपनी मेहनत और फसल को प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, ओलावृष्टि एवं अन्य जोखिमों से सुरक्षित कर सकें।

रथ रवाना कार्यक्रम में फसल बीमा कंपनी एसबीआई के जिला प्रतिनिधि राघवेंद्र शर्मा एवं देवेंद्र वर्मा, कृषि विभाग के जिला सलाहकार डॉ. डी.के. तिवारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विशाल यादव, आत्मा कार्यालय के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक प्रदीप मालवीय, नरेंद्र रघुवंशी, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा महिला कृषकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि जब यह जागरूकता रथ उनके गांव पहुंचे तो वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योजना की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपनी फसलों का बीमा कराकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अवश्य उठाएं। यह अभियान किसानों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित कृषि व्यवस्था की ओर अग्रसर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि
शहीद पार्क में स्थापित होगी वीर जवानों की प्रतिमा

रायसेन,आरएचएम। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को रायसेन के महामाया चौक स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका के विधायक प्रतिनिधि जमना सेन ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके अद्वितीय साहस एवं बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जमुना सेन ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना दुश्मनों को परास्त कर देश का गौरव बढ़ाया। ऐसे वीर सपूतों का बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने बताया कि रायसेन नगर पालिका द्वारा निर्मित नए नगर पालिका भवन के सामने एक भव्य शहीद पार्क विकसित किया जा रहा है। इस पार्क में देश के वीर शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, ताकि नागरिकों और विशेष रूप से युवा पीढ़ी को शहीदों के त्याग, समर्पण और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने कहा कि यह पार्क शहीदों की स्मृतियों को सहेजने के साथ-साथ देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर कारगिल युद्ध सहित देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद किया। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों का सम्मान केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। श्रद्धांजलि समारोह में नगर के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वीकेंड बना कलियासोत और केरवा वेटलैंड वेटलैंड का दुश्मन

भोपाल,आरएचएम। राजधानी के संवेदनशील कलियासोत और केरवा वेटलैंड क्षेत्र में हर सप्ताहांत अवैध 'मड रैली' और हुड़दंग थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार और रविवार को बड़ी संख्या में लोग एसयूवी और अन्य चार पहिया वाहनों के साथ प्रतिबंधित कैचमेंट क्षेत्र में पहुंच रहे हैं।

कीचड़ वाले इलाकों में तेज रफ्तार स्टंट किए जा रहे हैं, जबकि कई स्थानों पर शराबखोरी और लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। स्थानीय रहवासियों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों का कहना है कि कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर से कई बार शिकायत की गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से हर सप्ताह हजारों लोगों की भीड़ जुट रही है। इससे कानून-व्यवस्था के साथ पर्यावरणीय नियमों का भी उल्लंघन हो रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार कलियासोत और केरवा भोपाल के महत्वपूर्ण वेटलैंड और जलग्रहण क्षेत्र हैं, जो अनेक वन्यजीवों और प्रवासी पक्षियों का प्राकृतिक आवास हैं। भारी वाहनों की आवाजाही, तेज शोर और भीड़भाड़ से जैव विविधता प्रभावित हो रही है। पर्यावरण प्रेमियों ने प्रशासन से वेटलैंड क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर सख्ती, नियमित पुलिस गश्त और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कनारा क्रिकेट क्लब के सदस्यों ने की प्रेसवार्ता

विदिशा,आरएचएम। कनारा क्रिकेट क्लब खेल मैदान को लेकर फिर से विवाद खड़ा होने लगा है। रविवार को कनारा क्रिकेट क्लब के पूर्व सचिव संदीप डोंगर सिंह द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से उन्होंने बताया कि कनारा क्रिकेट क्लब द्वारा शासकीय भूमि पर खेल मैदान तैयार किया गया है। इसकी देखभाल नगर पालिका द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा कि एक समाचार पत्र के माध्यम से कनारा क्रिकेट क्लब को 38 लाख रुपए देने के आरोप लगाए गए हैं। वास्तव में पूर्व सागर सांसद द्वारा 500000 की राशि कनारा क्रिकेट क्लब मैदान को समतलीकरण और घास लगाने के लिए दी गई थी। यह राशि नगर पालिका को जारी की गई थी और नगर पालिका द्वारा टेंडर जारी कर कार्य कराया गया था। इसमें संस्था के पास कोई राशि नहीं आई थी। उन्होंने कहा कि कनारा क्रिकेट क्लब मैदान सार्वजनिक मैदान है और यहां पर सभी लोगों के आने-जाने के लिए कोई पाबंदी नहीं है। संस्था पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह गलत और निराधार हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय एक्सीलेंस स्कूल को शासन द्वारा 17 बीघा जमीन स्कूल के नाम आवंटित की गई थी। इसी परिसर में कनारा क्रिकेट क्लब का मैदान भी आता है। हालांकि वर्तमान में एक्सीलेंस स्कूल परिसर की जगह में कई भवन बनकर तैयार हो चुके हैं और वह भवन किसकी अनुमति से बनाए गए हैं और भवनों का उपयोग कौन कर रहा है यह जांच का विषय है। कनारा क्रिकेट खेल मैदान को लेकर पहले भी कई तरह के आरोप लग चुके हैं।

बच्चों ने दिया संदेश पत्थर के चीरे हटाएं वृक्षों को लगाएं

विदिशा। आज अक्सर देखने में को मिल रहा है कि खेतों और जमीनों पर से पेड़ गायब होते जा रहे हैं। जिससे ऑक्सीजन में कहीं न कहीं कमी और पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। उसकी वजह सिर्फ इतनी है कि खेतों, खलियानों और जमीनों पर पेड़ों के स्थानों पर आज पत्थर के चीरे, लगना प्रारंभ कर दिया। जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है और खेतों खलियानों, पेड़ काट-काटकर पत्थर के चीरे उपयोग में ला रहे हैं।

भोपाल,आरएचएम। शहर में कोलार क्षेत्र स्थित फाईन एवेन्यू फेस 2 में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने लगाया एक पेड़ माँ के नाम पौधा। जिसमें बच्चों ने गमले पर अपना-अपना नाम भी लिखा।

पांच माह से पेंशन नहीं मिलने पर फूटा गुस्सा
कांग्रेस ने तहसील पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा,आरएचएम। विकासखंड में पिछले पांच माह से वृद्धा, विधवा, दिव्यांग सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ नहीं मिलने और प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत न होने के विरोध में शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में महिला-पुरुष हितग्राही तहसील पहुंचे। मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समस्या का समाधान कराने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि विकासखंड के अनेक पात्र हितग्राहियों को पिछले पांच माह से पेंशन राशि नहीं मिली है। इसके कारण वृद्ध, विधवा और दिव्यांगजन आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन करने के बावजूद कई पात्र परिवारों को अब तक योजना का लाभ नहीं मिल पाया है, जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक निशंक कुमार जैन ने कहा कि सरकार गरीबों की मूलभूत समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने मांग की कि लंबित पेंशन का तत्काल भुगतान किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ शीघ्र दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो कांग्रेस जनआंदोलन करने को मजबूर होगी।

एसपी ने की प्रेसवार्ता

कोतवाली पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही की दी जानकारी

विदिशा,आरएचएम। रविवार को थाना यातायात में दोपहर एसपी ने एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया। प्रेसवार्ता के दौरान थाना कोतवाली द्वारा 80 ग्राम अवैध मादक पदार्थ के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। प्रदेशभर में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत तथा पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 80 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (ब्राउन शुगर) जिसकी अनुमानित अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब दस लाख रुपये है, जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह के नेतृत्व में की गई। प्रेसवार्ता के दौरान बताया गया कि थाना कोतवाली पुलिस रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान रामलीला मैदान के पीछे स्थित गेट के पास पुलिस वाहन को देखकर दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में भागने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 80 ग्राम अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसे विधिवत जप्त किया गया। इस संबंध में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 468/2026 अंतर्गत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस रिमांड प्राप्त कर आरोपियों से ब्राउन शुगर के क्रय-विक्रय, आपूर्ति श्रृंखला एवं अन्य संलिप्त अपराधियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जाएगी। विदिशा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा तथा नशे के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए सख्त एवं निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपी मोहन तंवर पिता गोरेलाल तंवर उम्र 28 वर्ष निवासी मौआखोह थाना इकलेरा जिला झालावाड़ (राजस्थान) और राजेश तंवर पिता प्रताप मेहताब सिंह तंवर उम्र 25 वर्ष निवासी जेतपुरा थाना कोतवाली जिला राजगढ़ शामिल हैं।

पीपलखेड़ा पंप लाइन रोजाना फाल्ट होने की शिकायत

विदिशा,आरएचएम। पीपलखेड़ा सतपाड़ा सब स्टेशन के किसानों को विभागीय लापरवाही के कारण 10 घंटे बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ऐसा कोई दिन नहीं जा रहा है जिस दिन सतपाड़ा सब स्टेशन और पीपलखेड़ा में बिजली फॉल्ट न होता हो। जिम्मेदार इसके प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। मेंटेनेंस होता नहीं है, लाइट फॉल्ट होती है, लेकिन गंभीरता से उसे नहीं लिया जाता। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि लाइट की समस्या को ठीक किया जाए या फिर अधिकारियों में कोई बदलाव किया जाए। किसानों ने मेंटेनेंस के नाम पर पैसे का दुरूपयोग करने का आरोप लगाया। किसानों को लाइट लगातारनहीं मिल पा रही है और विभाग के जिम्ममेदार अधिकारी इसके प्रति गंभीर नहीं है। बताया गया कि रविवार की सुबह 6.15 पर पीपलखेड़ा और सुलतानिया रोड पर तार पर पेड़ गिर गया है, जिससे की लगभग दो घंटे यातायात बंद रहा, लेकिन अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों ने सीधा आरोप लगाया है कि अधिकारी लाइन में मेंटेनेंस नहीं करते हैं। जिम्मेदार नितेश नामदेव शमशाबाद से जब हमने फोन पर संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने दो बार में फोन रिसीव नहीं किया है और वह किसानों के फोन उठाते भी नहीं है। जिला कलेक्टर से किसानों ने मांग की है की शमशाबाद वितरण केंद्र सतपाड़ा सब स्टेशन घरेलु लाइन और पंप लाइन का मेंटेनेंस कराया जाए और किसानों को 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाए।

रास्ते में ही तोड़ा दमः पुलिस, परिजनों और ग्रामीणों को घटना की दी सूचना

सांची में शादी के दो महीने बाद युवा कारोबारी की तलवारों से काटकर हत्या

राकेश लोधी, मृतक

रायसेन,आरएचएम। सांची थाना क्षेत्र में रविवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहाँ शादी के महज दो महीने बाद 26 वर्षीय हार्डवेयर कारोबारी राकेश लोधी की बदमाशों ने तलवारों से हमला कर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में गांव और आसपास के इलाकों में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। मृतक के ममेरे भाई लोकेश लोधी ने बताया कि घटना की रात करीब 9 से 10 बजे के बीच राकेश अपनी हार्डवेयर की दुकान बंद कर बाइक से मेढ़की स्थित अपने घर लौट रहा था। घर से महज 500 मीटर पहले एक बाइक पर सवार बदमाशों ने उसे रोक लिया, जबकि पीछे एक कार भी खड़ी थी। बदमाशों ने पहले विदिशा का रास्ता पूछने का नाटक किया और जैसे ही राकेश ने बाइक रोकी, हमलावरों ने तलवारों से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने पहला वार राकेश के सिर पर किया। उस समय बाइक पर पीछे बैठा उसका मौसेरा भाई बब्लेश जान बचाने के लिए खेतों की ओर भागा और सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर उसने पुलिस, परिजनों और ग्रामीणों को घटना की सूचना दी। जब तक ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे, आरोपी वहां से फरार हो चुके थे। राकेश मौके पर गंभीर रूप से घायल पड़ा था और उसकी एक हथेली कटकर पास ही झाड़ियों में पड़ी मिली। परिजन कटी हथेली को गमछे में लपेटकर उसे इलाज के लिए भोपाल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। रविवार को भोपाल के हमीदिया अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि राकेश पिछले 15 सालों से अपनी मां के साथ बड़े मामा गिरधारी लाल लोधी के घर रह रहा था और 12 मई को ही उसकी शादी हुई थी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि करीब 10 दिन पहले भी दुकान से लौटते समय कुछ बदमाशों ने राकेश की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर हमला करने का प्रयास किया था, जिसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी। उस दौरान पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया था, जिसके बाद स्थिति सामान्य लग रही थी, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि उस पर इतना घातक हमला हो जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने बताया कि पुलिस की टीमें गठित कर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पुलिस ग्रामीणों और परिजनों से पूछताछ कर मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

जेल परिसर में गूंजा नशामुक्ति का संकल्प

विदिशा। 26 जुलाई को नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह द्वारा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत जिला जेल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 217 बंदी (कैदी) उपस्थित रहे। इस दौरान उन्हें नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने, समाज की मुख्यधारा से जुड़ने तथा स्वयं एवं अपने परिवार को नशे से दूर रखने के लिए प्रेरित किया गया।

राजधानी में नशे के कारोबार पर पुलिस का सबसे बड़ा प्रहार

कांबिंग गश्त का कहकर जवानों को बुलाया इतवारा, नशे मार्केट में देर रात दी दबिश

भोपाल,आरएचएम। तलैया पुलिस ने इतवारा ने जोन के दो सौ पुलिसकर्मियों की मदद से इतवारा मार्केट में दबिश दी। यह कार्रवाई ड्रोन कैमरे और स्निफर डॉग्स, डॉग कैचर, सहित लैडर और कटर के साथ की गई। कार्रवाई में इतवारा में नशे का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया। शनिवार देर रात हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने महिला गांजा तस्करों सहित छह तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से साढ़े सात किलो गांजा, 90 ग्राम चरस और हथियार सहित अवैध हथियार, शराब और वन्य जीवों के अंग बरामद किए है। तस्करों में एक महिला से वन्यजीव के अंग मिले हैं। दबिश के दौरान आरोपी भाग न सके। लिहाजा पुलिस ने आरोपियों के भागने पर रोकने के लिए प्रत्येक टारगेट पर 'कट-ऑफ पार्टी' और 'सर्चिंग पार्टी' तैनात कर रखी थी।

तलैया थाना प्रभारी दीपक डेहरिया ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शनिवार रात को जोन के पुलिस जवानों को बस के माध्यम से बुलाया गया। सूचनाएं लीक न हो इसका पूरा ध्यान रखा गया। पुलिस जवानों को कहा गया कि कांबिंग गश्त में ड्यूटी लगाई गई है। इतवारा मार्केट पहुंचने के बाद उन्हें सही मकसद बताया गया। रात साढ़े बारह बजे के करीब 200 पुलिसकर्मियों का बल और नारकोटिक्स स्निफर डॉग, डॉग कैचर, लैडर (सीढ़ी), कटर एवं ड्रोन कैमरों की वीडियोग्राफी टीम के साथ इतवारा व तिलक मार्केट में दबिश दी। दबिश से पहले प्रत्येक चिन्हित घर पर अलग-अलग 'कट-ऑफ पार्टी' लगाई गई ताकि कोई भी आरोपी पुलिस को देखकर भाग न सके, और तलाशी करने अलग 'सर्चिंग पार्टी' बनाई गई। प्लान के तहत घेराबंदी में 6 आरोपियों को धर-दबोचा गया, जिनके कब्जे से मादक पदार्थ, अवैध तलवार, छुरी और वन्य जीव के अंग बरामद किए गए। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के कुल 6 अपराध, आर्म्स एक्ट एवं वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम का 1 एवं आबकारी एक्ट का 1 अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपियों से गांजे की खरीद, परिवहन एवं सप्लाई नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करने हेतु सभी आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त किया जा रहा है।

वन्य जीव तस्कर भी गिरफ्तार: पुलिस ने धरपकड़ के दौरान माधुरी संकत पति कामिनी संकत उर्फ कामिल संकत (36) इतवारा, चौकी के पीछे तलैया। उमेश मेशकर पिता उदल कुचबंदिया मेशकर (38) तिलक मार्केट सुनीता संकत पति सूरज संकत (45) सईदिया स्कूल के पास इतवारा, मुन्नी बाई कुचबंदिया पिता चिमनलाल कुचबंदिया (52) सईदिया स्कूल रोड इतवारा। उत्तम कुचबंदिया पिता पृथ्वी कुचबंदिया (35) तिलक मार्केट इतवारा, रामकली पति गरीबदास कुचबंदिया (60)तिलक मार्केट के पीछे इतवारा को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। इसी प्रकार शिवानी संकत पति शनि उर्फ गणेश कुचबंदिया (35) सईदिया स्कूल के पास इतवारा को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट एवं वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धाराओं में कार्रवाई की गई। सूत्रों के अनुसार कार्रवाई के दौरान कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नशीले पदार्थ कहां से लाए जाते थे, किन-किन इलाकों में उनकी सप्लाई होती थी और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। माना जा रहा है कि पूछताछ के आधार पर आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। प्राथमिक जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इतवारा क्षेत्र भोपाल में मादक पदार्थों की सप्लाई का एक मुख्य हब बना हुआ था। यहां से थोक स्तर पर शहर के अलग-अलग कोनों के साथ-साथ पड़ोसी जिलों तक गांजे की तस्करी की जा रही थी। पुलिस अब इस पूरे सिंडिकेट, मुख्य सप्लायरों और बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज की कड़ियां जोड़ने में जुटी है, जिससे नशे के इस पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट ने साफ कर दिया है कि इतवारा के साथ-साथ छोला, तलैया और आरिफ नगर जैसे अन्य संवेदनशील इलाकों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। नशे के कारोबार को जड़ से उखाड़ने और इसकी पूरी सप्लाई चेन को ध्वस्त करने के लिए पुलिस का यह सख्त प्रहार आगे भी इसी आक्रामकता के साथ जारी रहेगा। फिलहाल पुलिस ने बरामदगी और हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या को लेकर आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

अधिकारियों का कहना है कि पूरे ऑपरेशन, बरामद नशीले पदार्थों, गिरफ्तार आरोपियों और नेटवर्क से जुड़े अन्य खुलासों की जानकारी जल्द आयोजित की जाने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जाएगी। पुलिस का कहना है कि राजधानी में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भोपाल,आरएचएम। मानस भवन में सिंधी मेला समिति द्वारा कुकिंग कॉम्पटीशन के पुरस्कार वितरण समारोह में मंत्री प्रतिभा बागरी प्रथम पुरस्कार इटारसी की महिलाओं को देती हुई दूसरा पुरस्कार पंचवटी कॉलोनी सेंटर पंचायत को मिला। (**फोटो निर्मल व्यास**)

राजधानी में आज से ई-बसों का ट्रायल 15 अगस्त तक यात्रियों को मुफ्त सफर

भोपाल,आरएचएम। मप्र की राजधानी भोपाल में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। केंद्र सरकार की 'पीएम ई-बस सेवा' योजना के तहत सोमवार से इलेक्ट्रिक बसों का यात्री ट्रायल शुरू होगा। इस दौरान यात्रियों से किसी प्रकार का किराया नहीं लिया जाएगा। प्रस्तावित औपचारिक शुरुआत 15 अगस्त तक यह सेवा पूरी तरह निशुल्क रहेगी। यात्रियों के साथ संचालन शुरू करने से पहले इलेक्ट्रिक बसों का पांच दिनों तक बिना यात्रियों के ट्रायल किया गया। इस दौरान बसों के समय, ट्रैफिक में संचालन और विभिन्न रूटों पर उनकी कार्यक्षमता का परीक्षण किया गया। सफल परीक्षण के बाद अब यात्रियों के साथ सेवा शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। पहले चरण में शहर के दो प्रमुख मार्गों पर 10 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। बोर्ड ऑफिस चौराहा इस सेवा का केंद्रीय हब होगा। पहला रूट बैरागढ़ डिपो से कोलार तक रहेगा, जो लालघाटी, पीरगेट, मोती मस्जिद, कमला पार्क और न्यू मार्केट होते हुए संचालित होगा। दूसरा रूट डिपो चौराहा से कोच फैक्ट्री तक होगा। यह बस बोर्ड ऑफिस, चेतक ब्रिज, सुभाष नगर, प्रभात चौराहा और अशोका गार्डन से होकर गुजरेगी। अधिकारियों के अनुसार, भोपाल में ई-बस सेवा केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत शुरू की जा रही है। योजना के तहत वर्ष 2026 के अंत तक शहर के 10 रूटों पर कुल 100 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 21 ई-बसें भोपाल पहुंच चुकी हैं। इनके पार्किंग और चार्जिंग के लिए संत हिरदाराम नगर में आधुनिक डिपो भी तैयार किया गया है। नई इलेक्ट्रिक बसों में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इनमें डिजिटल टिकटिंग, मोबाइल ऐप के जरिए पास बनाने की सुविधा, पांच सीसीटीवी कैमरे और दोनों दरवाजों पर एआई आधारित यात्री गणना प्रणाली लगाई गई है। इसके अलावा बसों में इमरजेंसी, पैनिक और स्टॉप बटन, प्रत्येक खिड़की पर इमरजेंसी हैमर, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम और एलईडी पैसेंजर इंफॉर्मेशन डिस्प्ले जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। दिव्यांग यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बसों में ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक व्हीलचेयर लिफ्ट भी लगाई गई है, जिससे व्हीलचेयर उपयोग करने वाले यात्रियों को चढ़ने और उतरने में आसानी होगी।

चलती ट्रेन में महिला का पर्स झपटकर भागने वाला आरोपी मथुरा से गिरफ्तार

भोपाल,आरएचएम। पचामा सीहोर के पास महिला यात्री का जेवरात भरा पर्स झपटकर चलती ट्रेन से कूदकर फरार हुए आरोपी को जीआरपी भोपाल ने दो माह बाद मथुरा से गिरफ्तार किया है। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश करते हुए उसके बैरागढ़ स्थित घर पहुंची थी। लेकिन भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया। करीब डेढ़ माह की मशक्कत के बाद जीआरपी टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब सात लाख रुपए के सोने के जेवरात बरामद किए हैं। जीआरपी के मुताबिक फरियादिया आशा नागेश ने 28 मई 2026 को थाना उज्जैन में जीरो पर प्रकरण दर्ज कराते हुए बताया कि 27 मई को वह यशवंत एक्सप्रेस ट्रेन के कोच एस-4 में सीट नंबर 9, 12 व 15 पर अपने परविार के साथ नया अमरावती रेलवे स्टेशन से उज्जैन की यात्रा कर रही थीं। यात्रा के दौरान खाना खाकर वह अपनी सीट नंबर 15 पर अपने पर्स को सिरहाने रखकर हाथ से पकड़कर सो गईं। इस बीच रेलवे स्टेशन सीहोर आने के 15 मिनट पहले ट्रेन स्लो चल रही थी कि तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने झपट्टा मारा और पर्स छीनकर चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। पर्स में दो मोबाइल, दो सोने के मंगलसूत्र, चार सोने की अंगूठी, एक सोने का हार, एक सोने की चेन, एक जोड़ कान की बाली व नगदी 31 हजार रुपए समेत लाखों रुपए का सामान रखा था। फरियादिया ने उज्जैन पहुंचकर प्रकरण दर्ज कराया। उज्जैन पुलिस ने शून्य पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर डायरी जीआरपी थाना भोपाल भेज दी। भोपाल जीआरपी ने असल पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भोपाल,आरएचएम। वृक्षारोपण कौमी खिदमतगार टीम में ईदगाह पार्किंग में पौधा रोपण किया।

जीआरपी भोपाल का हुआ 'ऑपरेशन हमदर्द' सफल

प्लेटफॉर्म पर मिली नाबालिग बच्ची सुरक्षित परिजनों को सौंपी, पिता पर केस दर्ज

भोपाल,आरएचएम। भोपाल रेलवे स्टेशन पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन हमदर्द' के तहत जीआरपी भोपाल ने प्लेटफॉर्म पर लावारिस हालत में घूम रही एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित बचाकर उसके परिजनों से मिलाया। जांच के दौरान बच्ची से भिक्षावृत्ति कराए जाने का मामला सामने आने पर पुलिस ने उसके पिता के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस (जेजे) एक्ट की धारा 76 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर नियमित गश्त और प्लेटफॉर्म चेकिंग के दौरान जीआरपी टीम को एक नाबालिग बालिका संदिग्ध अवस्था में अकेले घूमती मिली। पूछताछ में उसने अपना नाम नंदिनी तथा पिता का नाम शंकर बताया। बच्ची ने पुलिस को बताया कि वह पिपरिया (जिला नर्मदापुरम) की रहने वाली है और बिना किसी को बताए घर से निकल आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी ने बच्ची को सुरक्षित थाने लाकर चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर पिता को भोपाल बुलाया। पहचान और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद बालिका को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ और प्रारंभिक जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बच्ची से भिक्षावृत्ति कराई जा रही थी। इस आधार पर जीआरपी भोपाल ने आरोपी पिता के खिलाफ जेजे एक्ट की धारा 76 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन हमदर्द के तहत रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में लावारिस, गुमशुदा और संकटग्रस्त बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित संरक्षण उपलब्ध कराने का अभियान लगातार जारी है।

अलग-अलग घटनाओं में तीन की गई जान

हबीबगंज में युवक सहित महिला ने लगाई फांसी

भोपाल,आरएचएम। हबीबगंज इलाके में अलग अलग तीन घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। पीसी नगर मल्टी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश घर बुलाने पहुंचे साथी ने फांसी के फंदे पर लटकी देख परिजन को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसी थाना क्षेत्र के मीरा नगर में रहने वाली एक महिला ने फांसी लगा ली।

फंदे से उतारकर पति उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां इलाज के दौरान रविवार सुबह महिला की मौत हो गई। इसी थाना क्षेत्र स्थित अरेरा कॉलोनी ईथ्री में करंट लगने से मजदूर की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक पतिराम परिहार पिता देवकरण परिहार (30) पीसी नगर मल्टी में ग्राउंड फ्लोर पर अकेला रहता था। उसका भाई शाहपुरा में परिवार के साथ रहता है। पति राम प्राइवेट काम करता था। उसका साथी विनोद उसे काम पर चलने के लिए घर बुलाने शनिवार सुबह करीब दस बजे पहुंचा। इस दौरान उसने देखा तो पतिराम फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। उसने पतिराम के भाई को घटना की जानकारी दी। इधर सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी पहुंच गई थी। पुलिस ने निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन परिजन और साथ काम करने वालों ने बताया कि कुछ दिन से पतिराम का मानसिक संतुलन बिगड़ गया था। इसी थाना क्षेत्र के मीरा नगर में महिला ने फांसी लगा ली। फांसी के फंदे पर लटकता देख पति ने उसे तत्काल फंदे से नीचे उतारा और निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। सांसे चलने के कारण डॉक्टर ने उसे आईसीयू में भर्ती करा दिया। वहां चले इलाज के एक दिन बाद रविवार सुबह महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार ममता अहिरवार पति संदीप अहिरवार (28) मीरा नगर में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति संदीप मजदूरी करता है। संदीप ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे ममता ने अंदर वाले कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही वह फंदे से उतारकर पत्नी को निजी अस्पताल ले गया। वहां रविवार सुबह इलाज के दौरान ममता की मौत हो गई।

पचमढ़ी जाने से मना करने पर पंद्रह साल के किशोर ने की आत्महत्या

मां ने मोबाइल भी देने से कर दिया मना

भोपाल,आरएचएम। छोला मंदिर इलाके के शिव नगर फेस टू में पंद्रह साल के किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह पचमढ़ी जाने की जिद कर रहा था, लेकिन मां पिता ने उसे जाने नहीं दिया। पचमढ़ी नहीं जाने देने से दुखी बेटे ने मां से मोबाइल की मांग की, लेकिन मां ने मोबाइल भी देने से मना कर दिया। इस बात से नाराज होकर उसने मां की साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक शिव नगर फेस टू निवासी बृजभान कुशवाह रेलवे स्टेशन पर स्टाल लगाते हैं। वह प्रतिदिन सुबह 5 बजे काम पर चले जाते हैं। शनिवार तडके भी वह काम पर जाने के लिए जाग गए थे। उनके साथ पत्नी व बच्चे भी जाग गए। इस बीच उनके इकलौते बेटे ने कृष्णा कुशवाह (15) ने दोस्तों के साथ पमचढ़ी जाने की जिद की। उसका कहना था कि शुक्रवार शाम को उसने दोस्तों से पचमढ़ी जाने का वादा कर लिया है। लेकिन माता-पिता ने उसे मना कर दिया। इसके बाद पिता काम पर चले गए। इस बीच कृष्णा अपनी बहन व मां से मोबाइल मांगने लगा। मां ने मोबाइल देने से मना कर दिया और सभी लोग सो गए। इस बीच कृष्णा ने दूसरे कमरे में जाकर मां की साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। करीब साढ़े छह बजे मां उठीं और नहाने के लिए साड़ी लेने दूसरे कमरे में पहुंची। वहां उन्होंने बेटे को फंदे पर लटका देखा। पड़ोसियों की मदद से उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि कृष्णा कुशवाह पढ़ने में कमजोर था। वह चार बहनों का इकलौता भाई था।

इस साल दसवीं में उसकी सप्लीमेंट्री आई थी। वह सप्लीमेंट्री परीक्षा भी पास नहीं कर सका था। माता-पिता व बहनें अक्सर पढ़ने के लिए समझाइश देती थीं।

महिला की एक्टिवा को ओवरटेक करने को लेकर हो रहा था विवाद

झगड़े में समझाइश देना पड़ा भारी ; सगे बहन-भाइयों ने युवक पर किया जानलेवा हमला

भोपाल,आरएचएम। ओवरटेक करने को लेकर एक्टिवा सवार महिला का ऑटो चालक और उसके भाई व बहन से विवाद हो गया। महिला के परिचित व उसके दोस्त ने ऑटो चालक समेत तीनों को समझाइश देकर अलग कर दिया। यह बात आरोपियों को नागवार गुजरी और तीनों सगे बहन-भाइयों ने समझाइश देने वाले युवक पर डंडों से प्राणघातक हमला कर दिया। सिर में आई गंभीर चोट के कारण युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपी बहन-भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक शनिवार 25 जुलाई को फरियादी सुनील साहू रत्नागिरी चौराहे पर था। वहां ऑटो वाला राहुल, प्रशांत और उसकी बहन, बाल विहार आनंद नगर की परिचित पूजा सेन से आपस में बहस कर रहे थे। तब सुनील साहू और हीरेश बघेल ने समझाइश देकर बहन खत्म करा दी। इसके बाद सुनील व हीरेश आनंद नगर बिजली कॉलोनी की घाटी के पास आकर खड़े हो गए। तभी सवारी ऑटो से राहुल, प्रशांत और एक लडकी उनके पास आक रुके। तब सुनील साहू ने कहा कि अब क्या हो गया। इतना सुनते ही तीनों गाली-गलौज करने लगे। राहुल और प्रशांत ने ऑटो से डंडे निकाले और हीरेश पर हमला कर दिया। राहुल और प्रशांत ने उसे जमीन पर पटक दिया और जान से मारने की नीयत से सिर पर डंडे से वार किया। हीरेश का सिर फूटा और खून बहने लगा। राहुल और प्रशांत के साथ आई लड़की ने भी ऑटो से डंडा निकालकर नीचे पड़े हीरेश के पैरों व छाती पर वार किए। इस बीच सुनील साहू ने अपने साथी को बचाने के लिए शोर मचा दिया। आसपास के ठेले वाले उसे बचाने दौड़े और बीच-बचाव किया। घटना के बाद आरोपी ऑटो में सवार होकर वहां से भाग निकले। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल हीरेश को अस्पताल में भर्ती कराया और उसके बाद घेराबंदी कर तीनों आरोपियों प्रशांत ठाकुर (35), राहुल ठाकुर (32) व पिंकी सोलंकी (33) तीनों निवासी छावनी झुग्गी झिरिया खेड़ा रोड बिलखिरिया को गिरफ्तार कर लिया।

मप्र पुलिस के अधिकारी कुशवाह ने ओपन इंडिया प्री-स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस के लिए गर्व का विषय है कि पुलिस मुख्यालय, विसबल शाखा में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक, विसबल के निज सहायक, निरीक्षक (अ) राकेश कुमार कुशवाह (वरिष्ठ शीघ्रलेखक) ने ओपन इंडिया प्री-स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता-2026 की 10 मीटर एयर पिस्टल (मास्टर वर्ग) स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अर्जित किया है। उनकी इस उपलब्धि से मध्यप्रदेश पुलिस का गौरव राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक बढ़ा है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कुशवाह की इस उल्लेखनीय सफलता को दृष्टिगत रखते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, खेल भावना एवं मनोबल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 5 हजार रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया है।

स्वामी, प्रकाशक, एमडीवीडी बिजनेस पार्क प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रबंध संपादक पृथ्विजय कुमार दास द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड करोंद भानपुर बायपास रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं हिन्दी मेल भवन, नेशनल प्रेस एरिया, सप्रे मार्ग, लिंक रोड, नं. 3, प्लाट नं. 3, पत्रकार कॉलोनी के पास भोपाल-462003 (म.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक: विजयकुमार दास,** कार्यकारी संपादक : अनीता चौबे, स्थानीय संपादक : नौशाद कुरैशी,
दूरभाष: 0755-4948144, 2994470, E-mail: lifeindiamedia@gmail.com, (RNI No. 64654/96), समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। **समूह संपादक : आशीष दुबे**

समृद्ध किसान
समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
बलराम कृषि महोत्सव
27 जुलाई, 2026 | नई कृषि उपज मंडी, खण्डवा
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि
₹ 3300 करोड़+ का
82 लाख + किसानों को
अंतरण एवं संवाद
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
D-11065/26
कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण
आधुनिक खेती का मंत्र
उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई और डिजिटल कृषि सेवाओं की जानकारी
जैविक खेती से बढ़ेगी आय
प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि पर विशेष फोकस
जानकारी का एक मंच
कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता सहित विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी
विशेषज्ञों से सीधा संवाद
खेती की समस्याओं का समाधान, नई तकनीकों और बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी
मौसम के अनुसार खेती की तैयारी
मृदा स्वास्थ्य, मौसम आधारित खेती और जलवायु अनुकूल कृषि के टिप्स
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026